श्रावण शुक्ल - 6 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 2 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 24-07-2023 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 मणिपुर में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की दोषपूर्ण राजनीति जातीय संघर्ष की वजह

6 अभी और कितना जलेगा मणिपुर?

7 ब्रिक्स देश मूल्यों तथा संस्कृति के आधार पर गहराई से जुड़े हैं : मीनाक्षी लेखी

फर्स्ट टेक

मस्क की ट्विटर की चिड़िया को 'उड़ाने' की तैयारी

वाशिंगटन/वार्ता/स्पूतनिक। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्विटर' का लोगो 'चीड़िया' बहुत जल्द 'उड़' जायेगी और नये लोगो में 'एक्स' शामिल हो सकता है। ट्विटर के मालिक एलन मस्क ने रविवार को ट्वीट करके कहा कि इस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का लोगो बदल जायेगा। मस्क ने कहा,जल्द ही हम ट्विटर ब्रांड और धीरे-धीरे सभी पक्षियों को अलविदा कह देंगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'सभी पक्षियों' को अलविदा कहते हुए अपना लोगो बदल देगा। उन्होंने ट्वीट किया,अगर आज रात एक अच्छा 'एक्स' लोगो पोस्ट किया जाता है, तो हम कल इसे दुनिया भर में लाइव कर देंगे। वह ट्विटर को खरीदने के बाद एक के बाद एक नए बदलाव कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने कहा ट्विटर पर डायरेक्ट मैसेज (डीएम) करने के लिए भी पैसे देने होंगे। अरबपति उद्यमी ने बाद में लिखा कि वह चाहते हैं कि नया लोगो हम सभी की उन खामियों को मूर्त रूप दे जो हमें अद्वितीय बनाती हैं।

पाकिस्तान के अंतरिम प्रधानमंत्री के रूप में इस्हाक डार का नाम प्रस्तावित करने की संभावना

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधानमंत्री के पद के लिए सत्तारूढ़ 'पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज पार्टी' वित्त मंत्री इस्हाक डार के नाम का प्रस्ताव रखने पर विचार कर रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में रविवार को यह बात कही गई। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने कहा कि डार का नाम ऐसे समय चर्चा में आया है जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने चुनाव अधिनियम 2017 में बदलाव करने पर विचार विमर्श किया ताकि आगामी कार्यवाहक व्यवस्था को इसके संवैधानिक जनादेश से परे निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

स्वर्ण मंदिर से गुरबानी प्रसारण के लिए यूट्यूब चैनल शुरू

अमृतसर/भाषा। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने रविवार को यहां स्वर्ण मंदिर से गुरबानी के प्रसारण के लिए अपने यूट्यूब चैनल की शुरुआत की। यूट्यूब चैनल को शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के प्रमुख हरजिंदर सिंह धामी ने स्वर्ण मंदिर परिसर में मंजी साहिब दीवान हॉल से एक संक्षिप्त धार्मिक समारोह के दौरान श्रद्धालुओं की उपस्थिति में शुरुआत की। कमेटी अगले तीन महीनों के भीतर गुरबानी के प्रसारण के लिए एक सैटेलाइट चैनल शुरू करने की भी योजना बना रही है। सिख धर्मस्थल से गुरबानी का प्रसारण करने वाले पीटीसी चैनल के साथ एसजीपीसी का समझौता रविवार को समाप्त हो रहा है।

24-07-2023 सूर्यास्त 6:38 बजे | 25-07-2023 सूर्योदय 5:52 बजे

BSE	NSE
66,684.26	19,745.00
(-887.64)	(-234.15)

सोना	चांदी
6,178 रु.	81,300 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सकते में जंगल

कह रहा चुनावों में कुछ भी,
नेता दरिद्र बन बेचारा।
बिच्छू घड़ियाल गधे कौवे,
बंदर सांपों का हक मारा।
गीदड़ कह रहे शेर खुद को,
खुद शेर चर रहे हैं चारा।
इन बदले नामों कामों से,
सकते में है जंगल सारा।।

द्रमुक सरकार के खिलाफ पूरे तमिलनाडु में प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के विकास के खिलाफ काम कर रही भ्रष्ट द्रमुक सरकार की निंदा करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने यहां एक प्रदर्शन के दौरान कहा कि ावश्यक वस्तुओं की कीमत में वृद्धि को नियंत्रित करने, चुनावी वादों को पूरा करने, खनिज संसाधनों की लूट को रोकने और स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षण पदों को भरने सहित 10 मांगों पर प्रदेश की द्रमुक सरकार पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने यहां बड़ी संख्या में उपस्थितों के साथ पूरे विरोध प्रदर्शन किया। आज पूरे तमिलनाडु में भाजपा के कार्यकर्ताओं द्वारा द्रमुक सरकार को घेरने का काम विरोध प्रदर्शन के तहत किया गया।

यहां चेन्नई के पूर्वी जिले के 198वें वार्ड में जिला अध्यक्ष साई सत्यन और एन सुन्दरम आदि की उपस्थिति में द्रमुक सरकार के विरोध में विरोध किया गया। विरोध प्रदर्शन में काफी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

तमिलनाडु भाजपा इस भ्रष्ट द्रमुक शासन के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगी, जो कानून-व्यवस्था में व्यवधान, मूल्य वृद्धि, लोगों के जीवन की परवाह किए बिना शराब की बिक्री, चुनावी वादों को पूरा किए बिना लोगों को धोखा देने की अपनी जनविरोधी प्रवृत्ति जारी रखती है।

कर्नाटक के कई हिस्सों में भारी बारिश, सूखे की आशंका टली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के कई हिस्सों में पिछले दो दिन से भारी बरिश हो रही है, जिससे किसानों में अच्छी फसल होने की उम्मीद जगी है। पिछले दो महीने में कम बारिश होने के कारण राज्य में सूखा पड़ने जैसे हालात बन रहे थे। मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण पश्चिम मॉनसून के राज्य में सक्रिय रहने के कारण भारी बरिश हुई। तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक क्षेत्र के अधिकतर स्थानों तथा उत्तर के कई इलाकों में बारिश हुई। दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, चिक्कमगलुरु, उडुपी और कोडागु जिलों के कई हिस्सों में बहुत भारी वर्षा हुई। रविवार को दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों के कई हिस्सों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश जारी रही।

अधिकारियों ने बताया कि मॉनसून तट पर फिर से सघन हो गया है। दो जिलों में कई पेड़ उखड़ने से मकान तथा बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त हो गए।

देश में अच्छी चीजों पर बुरी चीजों के मुकाबले अधिक चर्चा हो रही है : भागवत

आज के समाज में सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य भी आवश्यक हो गए हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि देश में अब जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उन पर बुरी चीजों के मुकाबले कम से कम 40 गुना अधिक चर्चा हो रही है।

वह उत्तरी मुंबई के कांदिवली उपनगर में सुवर्णा अस्पताल का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी उपस्थित रहे।

भागवत ने कहा, कई बार नकारात्मक चर्चा सुनने को मिलती है। लेकिन जब हम देशभर में जाते हैं और देखते हैं तो हमें पता चलता है कि भारत में जो अच्छी चीजें हो रही हैं, उस पर बुरी चीजों के मुकाबले 40 गुना अधिक बात हो रही है। उन्होंने कहा, सरकार की नीतियों और सरकार में जिम्मेदार लोगों के काम के कारण आज देश का उत्कर्ष हो रहा है। चीजें सुचारू रूप से चल रही हैं क्योंकि कुछ लोग कुछ नहीं करते। अगर वे काम करेंगे तो दिक्कतें होंगी।

भागवत ने कहा कि लोगों में भारत को गौरव हासिल करते देखने की इच्छा 40 साल पहले की तुलना में आज अधिक प्रबल है। उन्होंने

कहा, इसे बढ़ना चाहिए। हम बढ़ रहे हैं लेकिन हम अभी तक उतने शक्तिशाली नहीं हैं।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, कुछ लोग हैं जो हमें बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते। उन्होंने कहा, आज के समाज में सिर्फ रोटी, कपड़ा और मकान ही नहीं, बल्कि शिक्षा और स्वास्थ्य भी आवश्यक हो गए हैं।

भागवत ने कहा, अच्छा या बुरा तय करने का पैमाना क्या है? कुछ ऐसा होता है जो दिखाई देता है और दूसरी ओर कुछ ऐसा होता है जो असल में होता है। कोई इसे ऐसे दिखा सकता है कि यह हो गया, भले ही वह न हुआ हो। उन्होंने कहा कि जब वे कॉलेज में थे तो भाखड़ा नांगल बांध की तरह आधुनिक तीर्थस्थल पर एक अध्याय था।

आरएसएस प्रमुख ने कहा, इस अस्पताल जैसे आधुनिक तीर्थस्थल केंद्र हैं जहां लोगों की सेवा की जाती है। आपने यहां एक तीर्थस्थल बनाने का काम किया है।

भागवत ने द्वितीय विश्वयुद्ध शुरू होने से पहले एडॉल्फ हिटलर के विदेश मंत्री वॉन रिबनट्रॉप की इंग्लैंड यात्रा को याद किया। उन्होंने कहा, ब्रिटिश लोग जानते थे कि वह उनकी (युद्ध) तैयारियां देखने आए हैं। उन्होंने कार्डबोर्ड के विमान बनाए, आम लोगों को सेना की वर्दी पहनाई और जर्मन लोगों को यह महसूस कराया कि वे मजबूत स्थिति में हैं।

कर्नाटक में छात्रा का शौचालय में वीडियो बनाने को लेकर तीन छात्राएं निलंबित

उडुपी (कर्नाटक)/भाषा। कॉलेज के शौचालय में एक साथी छात्रा का कथित तौर पर वीडियो बनाने के लिए दृष्टि रोग विज्ञान (ऑप्टोमेट्री) पाठ्यक्रम की पढ़ाई कर रही तीन छात्राओं को निलंबित कर दिया गया है। यह जानकारी कॉलेज प्रबंधन ने रविवार को दी। नेत्र ज्योति कॉलेज निदेशक रश्मि कृष्ण प्रसाद ने कहा कि घटना बुधवार को हुई और अगले ही दिन छात्राओं को निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि लड़कियों को दो मामलों में निलंबित किया गया - पहला, वे मोबाइल फोन लेकर आईं जो कॉलेज में प्रतिबंधित है और फिर वीडियो बनाना। निदेशक के मुताबिक, तीनों लड़कियों ने पीड़िता को बताया कि उनके निशाने पर कुछ और लड़कियां थीं और उसका वीडियो गलती से बना लिया।

कुरनूल में भगवान श्री राम की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का शिलान्यास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्रप्रदेश के कुरनूल में भगवान श्री राम की 108 फुट ऊंची प्रतिमा का वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शिलान्यास किया।

इस अवसर पर शाह ने कहा कि आज कुरनूल के मंत्रालयम गांव में 500 करोड़ रुपये से अधिक लागत की श्री राम की भव्य पंचलोहा प्रतिमा का शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा , मंत्रालयम में स्थापित यह 108 फीट ऊंची प्रभु श्री राम की प्रतिमा युगों-युगों तक समग्र दुनिया को हमारे सनातन धर्म का संदेश देगी और वैष्णव परंपरा को देश और दुनिया में मजबूत करेगी। 108 हमारी हिन्दू संस्कृति में बहुत ही पवित्र संख्या है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि

तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित मंत्रालयम गाँव में 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ यह प्रोजेक्ट ढाई साल में पूरा होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालयम गाँव राघवेन्द्र स्वामी के मंदिर के लिए बहुत प्रसिद्ध स्थान है। साथ ही, इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है, इसी तुंगभद्रा के किनारे महान विजय नगर साम्राज्य का उद्भव हुआ था जिसने आक्रान्ताओं को खदेड़ कर स्वदेश और स्वधर्म को पुनर्स्थापित किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयम साहित्य प्रकल्प के तहत आवास, अन्न दानम, प्राण दानम, विद्या दानम, पेयजल और गौ संरक्षण के कई सारे विषयों को आगे बढ़ाया गया है।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में कई वर्षों से लंबित श्री राम मंदिर का शिलान्यास कर उसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है।अब जल्द ही श्री राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की स्थापना होगी और सैकड़ों वर्षों के बाद एक बार फिर प्रभु श्री राम अपने निज गृह में विराजमान होंगे।

'ओपनहाइमर' में एक सीन में संस्कृत का श्लोक बोले जाने पर सोशल मीडिया पर विवाद

सूचना आयुक्त उदय महुरकर ने फिल्म के दृश्य को "हिन्दुत्व पर हमला" बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी भौतिकीविद जे. रॉबर्ट ओपनहाइमर के जीवन पर बनी हॉलीवुड की फिल्म 'ओपनहाइमर' में मुख्य भूमिका निभा रहे कलाकार द्वारा एक सीन के दौरान संस्कृत का धार्मिक श्लोक पढ़े जाने को लेकर सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले कुछ लोगों का दावा है कि दृश्य के दौरान संस्कृत की जिन पंक्तियों का इस्तेमाल किया गया है वे 'भगवद गीता' के श्लोक से संबंधित हैं और उन्होंने निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन से फिल्म से यह सीन हटाने की मांग की है।

भारत में शुक्रवार को रिलीज हुई 180 मिनट लंबी फिल्म 'ओपनहाइमर' ने महज दो दिनों

में बॉक्स ऑफिस पर करीब 30 करोड़ रुपये की कमाई की है।

भारत सरकार में सूचना आयुक्त उदय महुरकर ने नोलन को एक खुला पत्र लिखकर फिल्म के दृश्य को ''हिन्दुत्व पर हमला'' बताया है और निर्देशक से फिल्म से यह दृश्य हटाने की अपील की है।

'सेव कल्चर सेव इंडिया फाउंडेशन' के संस्थापक महुरकर ने लिखा है, अरबों हिन्दुओं की ओर से तथा श्रद्धेय भगवद गीता से जीवन में होने वाले बदलाव के मद्देनजर हम अनुरोध करते हैं कि इस पवित्र ग्रंथ की गरिमा बनाए रखने के लिए हरसंभव कदम उठाएं और अपनी फिल्म से यह सीन हटाएं। अगर आप इस अपील को नजरअंदाज करते हैं तो इसे भारतीय सभ्यता पर जानबूझकर हमला करने के समान समझा जाएगा। आवश्यक कार्रवाई का उत्सुकता से इंतजार है।

'परमाणु बम के जनक' माने जाने वाले 'ओपनहाइमर' ने संस्कृत सीखी थी और कहा जाता है कि वह भगवद गीता से प्रभावित थे। एक साक्षात्कार में भौतिकीविद ने कहा था कि 16 जुलाई, 1945 को पहले परमाणु बम विस्फोट के बाद उनके दिमाग में पहला विचार जो आया था, वह प्राचीन हिन्दू धर्मग्रंथ (भगवद गीता) का श्लोक था जिसका अर्थ है... ''मैं ही मृत्यु, सृष्टि का संहारक हूं।

फिल्म 'ओपनहाइमर' में भौतिकिविद की भूमिका निभा रहे सिलियल मर्फी को फ्लोरेंस पग के किरदार मनोवैज्ञानिक जीन टेटलर के साथ सेक्स करते हुए दिखाया गया है और उसी दौरान वह ओपनहाइमर से एक श्लोक पढ़ने को कहती है, जो संस्कृत की पुस्तक मालूम पड़ती है, जिसका शीर्षक और कवर पृष्ठ दिखायी नहीं दे रहा है।

जवाबी कार्रवाई में यूक्रेन ने 26 हजार लोगों को खो दिया है : पुतिन

मॉस्को/वार्ता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि युद्ध की शुरुआत से अबतक जवाबी कार्रवाई के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 26,000 से अधिक लोगों को खो दिया है। बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पुतिन के साथ बातचीत के दौरान कहा कि जवाबी हमले की शुरुआत के बाद

से अमेरिका यूक्रेन के 26,000 लोगों के नुकसान का अनुमान लगा रहा है। पुतिन ने कहा, यह आंकड़ा पहले से भी अधिक है।रूसी नेता ने कहा कि विदेशी सैनिकों को भी अपनी मूर्खता के कारण यूक्रेन में बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है। पुतिन ने कहा, किसी भी स्थिति में जिन देशों की सरकारें लोगों को संघर्ष क्षेत्र में भेजती हैं, उन देशों के नागरिकों और उन देशों की आम जनता को भी पता होना चाहिए कि वहां क्या हो रहा है।

एनआईए ने किया

खालिस्तानी आतंकी समूहों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का खुलासा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने प्रतिबंधित खालिस्तानी संगठनों बब्बर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) और खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) से जुड़े तीन व्यक्तिगत आतंकवादियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने आरोपपत्र में भारत में आतंकी गतिविधियों के लिए भर्ती और संचालन में शामिल तीनों आतंकियों के अंतरराष्ट्रीय संबंधों का खुलासा किया है।

एजेंसी के एक प्रवक्ता ने कहा कि रविवार को एक विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोपपत्र में बीकेआई और केटीएफ के लिए काम करने वाले छह अन्य सहयोगियों का भी नाम शामिल किया गया है, जिसमें दोनों संगठनों के लिए धन जुटाने की एक जटिल व्यवस्था को भी रेखांकित किया गया है।

एनआईए ने कहा कि वह बीकेआई और केटीएफ से जुड़े 16 अन्य फरार और गिरफ्तार आरोपियों के संबंधों की भी जांच कर रही है।

प्रवक्ता ने कहा कि कुख्यात गैंगस्टर से आतंकवादी बने एवं मादक पदार्थ तस्कर - हरविंदर सिंह संधू उर्फ 'रिंडा, बीकेआई का लखबीर सिंह संधू और केटीएफ का अर्शदीप सिंह उर्फ 'अर्श डाला' - देश से बाहर रह रहे हैं और उन्होंने भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वहां अपने गुर्गों का गिरोह बनाया है। उन्होंने कहा, विदेश में रह रहे गुर्गों के इस गिरोह के माध्यम से, वे भारत में आतंकवादी गतिविधियों, जबरन वसूली और हथियारों एवं मादक पदार्थ की सीमा पार तस्करी को अंजाम देने के लिए भारत में अपने सहयोगियों की भर्ती कर रहे हैं।

दिल्ली : यमुना फिर खतरे के निशान के पार, बाढ़ की आशंका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में यमुना नदी का जलस्तर रविवार को एक बार फिर खतरे के निशान के पार चला गया। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश के बाद हथिनीकुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण यमुना का जलस्तर बढ़ गया है। अधिकारियों ने कहा कि नदी के जलस्तर में वृद्धि से राष्ट्रीय राजधानी के बाढ़ प्रभावित निचले इलाकों में राहत एवं पुनर्वास के काम पर असर पड़ सकता है।

राजस्व मंत्री आतिशी ने शनिवार को कहा था कि हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में दो लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ के खतरे के मद्देनजर दिल्ली सरकार हाई अलर्ट पर है। उन्होंने आशंका जताई थी कि अगर जलस्तर 206.7 मीटर तक पहुंचता है, तो यमुना खादर के कुछ हिस्से जलमग्न हो सकते हैं।

यमुना का जलस्तर पिछले कुछ दिनों से 205.33 मीटर के खतरे के निशान के आसपास है। 13 जुलाई को यह रिकॉर्ड 208.66 मीटर पर पहुंच गया था।

केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के आंकड़ों के अनुसार, यमुना का जलस्तर शनिवार रात 10 बजे 205.02 मीटर से बढ़कर रविवार सुबह नौ बजे 205.96 मीटर पर पहुंच गया और इसके शाम चार बजे तक 206.7 मीटर तक पहुंचने की संभावना है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 25 जुलाई तक हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने का अनुमान जताया है।

सीडब्ल्यूसी के आंकड़ों के मुताबिक, यमुनानगर स्थित हथिनीकुंड बैराज में जल प्रवाह की दर शनिवार सुबह नौ बजे एक लाख के आंकड़े के पार चली गई और सुबह 10 बजे से शाम चार बजे के बीच दो लाख से 2.5 लाख क्यूसेक के बीच रही। इसके बाद से जल प्रवाह की दर 1.5 लाख क्यूसेक से दो लाख क्यूसेक के बीच है।

'साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर्स एंड पीपुल' के सहायक समन्वयक भीम सिंह रावत ने कहा, इस मात्रा में पानी होने से राष्ट्रीय राजधानी में मध्यम दर्जे की बाढ़ का जोखिम पैदा होता है, जो जुलाई के दूसरे सप्ताह में आई बाढ़ से अब भी उबर रही है।

उन्होंने कहा, दूसरी बार बाढ़ आने से यमुना नदी दिल्ली में अपने ज्यादातर मैदानी हिस्सों तक फैल सकती है।

बाढ़ राहत के लिए केंद्र से जारी 218 करोड़ रु. पंजाब सरकार ने खर्च नहीं किए : जाखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटियाला/भाषा। भारतीय जनता पार्टी की पंजाब इकाई के अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने राज्य में बाढ़ की स्थिति को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री भगवंत मान पर निशाना साधा और राहत उपायों के लिए केंद्र द्वारा जारी 218 करोड़ रुपए की निधि का उपयोग नहीं करने का उन पर आरोप लगाया। जाखड़ पटियाला जिले के सनौर में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। उनके साथ पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिन्दर सिंह की बेटी जय इंदर कौर भी थीं।

भाजपा नेता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि केंद्र ने राज्य सरकार से आपदा राहत के लिए पिछले वर्ष के धन के उपयोग प्रमाण पत्र पर विचार किए बगैर पंजाब के लिए 218 करोड़ रुपए जारी किए। जाखड़ ने कहा कि राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की घोर लापरवाही और अक्षमता के कारण लोगों को जानमाल का नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार बाढ़ की स्थिति को संभालने में विफल रही और सत्तारूढ़ दल के विधायक तस्वीरें खिंचवाने में व्यस्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार नालों की सफाई और तटबंधों को मजबूत करने सहित आवश्यक उपाय करने में विफल रही, जिस कारण बाढ़ आई। उन्होंने आरोप लगाया, हम आप सरकार को उसकी विफलता के लिए जिम्मेदार ठहराएंगे। उन्होंने सवाल किया कि सरकार बाढ़ प्रभावित इलाकों में लोगों को मुआवजा देने के लिए विशेष गिरदावरी (नुकसान का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण) कब कराएगी।

टेस्ला के लिए अलग नीति नहीं लाएंगे, मौजूदा योजनाओं के तहत आवेदन करना होगा : अधिकारी

नई दिल्ली/भाषा। सरकार की अमेरिकी की इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनी टेस्ला को प्रोत्साहन देने के लिए कोई अलग नीति लाने की योजना नहीं है। एक सरकारी अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने कहा कि टेस्ला वाहन या आधुनिक केमिस्ट्री सेल के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत समर्थन उपायों के लिए आवेदन कर सकती है। सरकार पहले ही 18,100 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) बैटरी स्टोरेज के लिए पीएलआई योजना पेश कर चुकी है। इसके अलावा वाहन, वाहन कलपुर्जों और ड्रोन उद्योग के लिए 26,058 करोड़ रुपए की पीएलआई योजना लाई गई है। अधिकारी ने कहा, हमने टेस्ला से कहा है कि जो नीतियां सभी के लिए पहले से हैं, वह भी उनके तहत आवेदन कर सकती है। उनका स्वागत है। आमतौर पर नीतियां सभी के लिए समान हैं। एक कंपनी के लिए सरकार अलग नीति नहीं बना सकती। ऐसे में अभी उनके साथ विशेष बर्ताव करने की कोई योजना नहीं है।

जल्द होगी 808 एफएम रेडियो स्टेशन की ई-नीलामी : ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने रविवार को कहा कि सरकार रेडियो संचार की पहुंच को और बढ़ाने के मकसद से 284 शहरों में 808 एफएम रेडियो स्टेशन के लिए जल्द ही ई-नीलामी करेगी। ठाकुर ने यहां क्षेत्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन (उत्तर) को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने रेडियो स्टेशन, विशेष रूप से सामुदायिक रेडियो के संचालन के लिए लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रियाओं को भी आसान बना दिया है। उन्होंने कहा कि भारत में इस समय 26 राज्यों और पांच केंद्रशासित प्रदेशों के 113 शहरों में 388 एफएम रेडियो स्टेशन हैं।

ठाकुर ने बताया कि सरकार अब रेडियो सेवाओं का और विस्तार करने के लिए जल्द ही 284 शहरों में 808 चैनल की ई-नीलामी करने की योजना बना रही है।

मंत्री ने कहा कि सरकार कवरेज में सुधार करने के लिए दूरस्थ क्षेत्रों में रेडियो टॉवर स्थापित कर रही है। सरकार आकांक्षी और वाम उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित जिलों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'टियर- टू' और 'टियर- थ्री' शहरों में एफएम नेटवर्क का विस्तार करने की योजना बना रही है।

'अफ्रीकी संघ को जी20 का स्थाई सदस्य बनाने के मोदी के प्रस्ताव को अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत ने कहा है कि अफ्रीकी संघ को जी20 का स्थाई सदस्य बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्ताव को समूह की ओर से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली है। कांत ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा कि समूह की भारत की अध्यक्षता में अफ्रीकी संघ को जी20 में स्थाई सदस्यता मिलने की नई दिल्ली को काफी उम्मीद है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले महीने जी-20 देशों के नेताओं को पत्र लिखकर भारत में सितंबर में होने वाले आगामी शिखर सम्मेलन में अफ्रीकी संघ को समूह की पूर्ण सदस्यता देने का प्रस्ताव रखा है। इस प्रस्ताव को 13 से 16 जुलाई तक कर्नाटक के हम्पी में हुई जी20 शेरपाओं की तीसरी बैठक में नेताओं की घोषणा के मसौदे में औपचारिक रूप से शामिल किया गया था। अफ्रीकी संघ (एयू) में 55 सदस्य देश हैं। कांत ने कहा कि एयू को जी20 की सदस्यता देने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रस्ताव को व्यापक समर्थन मिला है और समूह की भारत की अध्यक्षता का लक्ष्य अफ्रीकी महाद्वीप समेत 'ग्लोबल साउथ' को लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा, हमारा पूरा दस्तावेज वास्तव में 'वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ' शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री द्वारा 125 देशों के साथ की गई बैठक के आधार पर तैयार किया गया है। वहां से जो सामने आया है, वह हमारे दस्तावेज (नेताओं की घोषणाओं का मसौदा) का मूल आधार है।

कम बारिश के कारण झारखंड सूखे जैसे हालात की तरफ बढ़ रहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। झारखंड में 45 प्रतिशत कम बारिश होने की वजह से राज्य सूखे जैसे हालात की तरफ बढ़ रहा है। मॉनसून का मौसम चरम पर होने के बावजूद राज्य में लगभग 85 प्रतिशत कृषि भूमि परती रह गई है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 21 जुलाई तक केवल 4.15 लाख हेक्टेयर भूमि पर खरीफ फसलों की बुवाई हुई, जो कृषि योग्य भूमि का मात्र 14.71 प्रतिशत हिस्सा है जबकि लक्ष्य 28.27 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलों की बुवाई का था। इसके विपरीत 2022 में 21 जुलाई तक लगभग 20.40 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि पर खेती की गई थी। आंकड़ों के मुताबिक, सत्र की मुख्य फसल धान की बुवाई 18 लाख हेक्टेयर भूमि पर किए जाने का लक्ष्य था, लेकिन धान की बुवाई लक्षित भूमि के केवल 11.20 फीसदी भाग पर हुई है। वहीं, पिछले साल 21 जुलाई तक लक्षित भूमि के 11.76 फीसदी भूमि पर धान की बुवाई की गई थी। कृषि विशेषज्ञों की मानें तो धान की बुवाई का अनुकूल समय एक जुलाई से 20 जुलाई तक होता है। विशेषज्ञों ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में मॉनसून के शुरुआती महीनों में देरी से आने या फिर कम बारिश होने की वजह से आज-कल कई किसान अगस्त के मध्य तक फसल की बुवाई करते हैं, लेकिन इससे अच्छी फसल नहीं होती है।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हालात पर पहले ही चिंता व्यक्त कर चुके हैं। रांची में शनिवार को एक कार्यक्रम में सोरेन ने कहा, जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर किसानों को यह जानकारी दी जानी चाहिए कि खेती में कौन-कौन से बदलावों की जरूरत है। रांची स्थित बिरसा कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) के अनुसंधान निदेशक पी.के. सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, झारखंड के किसानों के लिए अगले सात से आठ दिन बहुत महत्वपूर्ण हैं। अगर राज्य में अच्छी बारिश होती है तो किसान अधिक भूमि पर खेती कर पाएंगे और सूखे का प्रभाव कम होगा।

भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में जून में मिलाजुला रुख, रूस के साथ व्यापार बढ़ा: ईईपीसी

कोलकाता/भाषा। अमेरिका, यूरोपीय संघ (ईयू) और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में जून, 2023 के दौरान भारत का इंजीनियरिंग निर्यात घटने का सिलसिला जारी रहा। ईईपीसी इंडिया ने कहा कि इससे एक चुनौतीपूर्ण वैश्विक व्यापार माहौल का पता चलता है। भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) ने कहा कि इस दौरान पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका (डब्ल्यूएएनए), उत्तर-पूर्व एशिया और सीआईएस देशों को निर्यात में सकारात्मक वृद्धि हुई।

भारत के इंजीनियरिंग निर्यात में जून, 2023 में लगातार तीसरे महीने गिरावट हुई। इस दौरान यह सालाना आधार पर 11 प्रतिशत घटकर 8.53 अरब डॉलर रह गया। ईईपीसी ने कहा कि यह गिरावट अमेरिका, यूरोपीय संघ और चीन को निर्यात घटने के चलते हुई। समीक्षाधीन अवधि में अमेरिका को निर्यात 12.5 प्रतिशत घटकर 1.45 अरब डॉलर, यूरोपीय संघ को निर्यात 16.2 प्रतिशत गिरकर 1.51 अरब डॉलर और चीन को निर्यात 20 प्रतिशत गिरकर 18.4 करोड़ डॉलर रह गया। हालांकि, इस दौरान रूस को इंजीनियरिंग निर्यात लगभग तीन गुना होकर 11.69 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-जून के दौरान रूस को निर्यात सालाना आधार पर चार गुना होकर 33.74 करोड़ डॉलर पर पहुंच गया।

अडाणी की 1.1 अरब डॉलर की तांबा परियोजना अगले साल मार्च में चालू होगी

नई दिल्ली/भाषा। अरबपति उद्योगपति गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह की गुजरात के मुंद्रा में स्थित तांबा फैक्ट्री अगले साल मार्च से परिचालन शुरू करेगी। सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इससे आयात पर भारत की निर्भरता कम करने और ऊर्जा बदलाव में मदद मिलेगी। तांबे को 'विद्युतीकरण की धातु' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि गहरे विद्युतीकरण के लिए तारों की जरूरत होती है। ये तार आमतौर पर तांबे से बने होते हैं। ऊर्जा बदलाव की महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों जैसे इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), चार्जिंग अवसंरचना, सौर फोटोवोल्टिक (पीवी), पवन ऊर्जा और बैटरी में तांबे की जरूरत होती है। समूह की कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज लि. (एईएल) की अनुषंगी कच्छ कॉपर लिमिटेड (केसीएल) दो चरणों में प्रति वर्ष 10 लाख टन परिष्कृत तांबे के उत्पादन के लिए एक तांबा रिफाइनरी परियोजना स्थापित कर रही है। मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि केसीएल ने चरण-1 में पांच लाख टन प्रति वर्ष उत्पादन क्षमता के लिए वित्तपोषण हासिल कर लिया है।

मेटा के थ्रेड्स के सक्रिय उपयोगकर्ताओं में भारी गिरावट

नई दिल्ली/भाषा। प्रौद्योगिकी कंपनी मेटा ने जब सोशल नेटवर्किंग मंच थ्रेड्स को पेश किया था, तो कुछ ही दिनों में इसके 10 करोड़ उपयोगकर्ता हो गए थे। इसके बाद इसे 'ट्वीटर-किलर' जैसी उपाधियां दी गई थीं, लेकिन ट्वीटर के अन्य प्रतिद्वंद्वियों की तरह थ्रेड्स का प्रभाव भी कम होता दिख रहा है। नए ऐप पर निगरानी रखने वाली फर्म सेंसर टॉवर ने संकेत दिया है कि इसकी चर्चा बहुत कम हो गई है और थ्रेड्स के सक्रिय उपयोगकर्ताओं में 20 प्रतिशत की कमी देखी गई है। ऐप पर बिताया गया औसत समय 20 मिनट से 50 प्रतिशत गिरावट के साथ 10 मिनट तक रह गया है। इसी महीने थ्रेड्स के आने के तुरंत बाद ट्वीटर पर ट्रैफिक में लगभग पांच प्रतिशत गिरावट आई थी। ट्वीटर के मुकाबले लोकप्रियता हासिल करने और खोने में थ्रेड्स अकेली नहीं है।

जामिया दीक्षांत समारोह: धर्मेंद्र प्रधान ने जाकिर हुसैन का जिक्र करके शिक्षा की जरूरत पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पूर्व राष्ट्रपति और जामिया के कुलपति डॉ. जाकिर हुसैन का जिक्र करते हुए रविवार को कहा कि शिक्षा ही पुराने मूल्यों को संरक्षित कर सकती है और यह बताती है कि कौन से मूल्यों को बनाए रखना है और किन मूल्यों को त्यागना है।

प्रधान ने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के शताब्दी वर्ष दीक्षांत समारोह में जाकिर हुसैन के बयान का हवाला देते हुए कहा, शिक्षा हमारे लोकतांत्रिक जीवन की सांस है। शिक्षा को जीवन की मुख्य सूचनात्मक शक्ति के रूप में देखें। यह शिक्षा ही है जो हमें भविष्य का एक सामान्य दृष्टिकोण दे सकती है और हमारे अंदर बौद्धिक व नैतिक ऊर्जा पैदा कर सकती है। शिक्षा ही पुराने मूल्यों को संरक्षित कर सकती है। उन्होंने कहा, जाकिर हुसैन हमेशा कहते थे कि शिक्षा हमें यह दृष्टि देती है कि कौन से पुराने मूल्यों को बनाए रखना उचित है और किन मूल्यों को छोड़ देना चाहिए। शिक्षा ही भविष्य के लिए प्रयास करने वालों को नए मूल्य दे सकती है।

छात्रों को संबोधित करते हुए प्रधान ने कहा कि देश के स्वतंत्रता आंदोलन में विवि की बड़ी भूमिका थी और यह अगले 25 वर्षों में बौद्धिक नेतृत्व प्रदान करने में पहले स्थान पर रहेगा। जामिया की स्थापना हमारी आजादी के आंदोलन को आगे ले जाने के लिए की गई थी। हमारी आजादी के 75 साल पूरे हो चुके हैं और जामिया के नेतृत्व का इसमें बहुत बड़ा योगदान है। मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि देश के 'अमृत काल' के अगले 25 वर्षों में जामिया बौद्धिक नेतृत्व प्रदान करने में पहले स्थान पर रहेगा। जेएमआई ने शैक्षणिक वर्ष 2019 और 2020 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए रविवार को शताब्दी वर्ष दीक्षांत समारोह का आयोजन किया। दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद थे। समारोह के दौरान 2019 और 2020 में उत्तीर्ण लगभग 12,500 विद्यार्थियों को डिग्री और डिप्लोमा प्रदान किया गया।

भारतीय बाजार अच्छी गति से वृद्धि कर रहा : बोट के सह-संस्थापक अमन गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। भारत में ऑडियो और वीयरेबल उपकरण बनाने वाली कंपनी बोट के सह-संस्थापक अमन गुप्ता ने कहा कि भारत में यह बाजार अच्छी गति से वृद्धि कर रहा है, जिससे बोट के लिए राजस्व और उत्पादन बढ़ाने की योजनाओं को बल मिल रहा है। अमन गुप्ता ने हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में पदार्पण पर कहा कि इस बारे में वित्त वर्ष 2024-25 के बाद तय किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं पर काम चल रहा है, लेकिन फिलहाल कंपनी इस साल सबसे ज्यादा जोर स्मार्टवाच खंड में अपनी स्थिति को मजबूत करने पर है। गुप्ता ने पीटीआई-भाषा से कहा, इस साल हमारा जोर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर नहीं है। हम आधार तैयार कर रहे हैं, जिससे अगले साल तक हम अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंच सकें।

वेतन के बजाय कहीं से भी काम की सुविधा को प्राथमिकता दे रहे हैं कर्मचारी : सर्वे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बड़ी संख्या में कर्मचारी रिमोट वर्किंग यानी कहीं भी बैठकर काम करने की लचीली व्यवस्था को वेतन से अधिक प्राथमिकता दे रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि इसके साथ ही कार्यालय की जगह घर या किसी अन्य स्थान से काम करने की अनुमति देने से कंपनियों को प्रतिभावान कर्मचारी पाने और उन्हें कंपनी में बनाए रखने में मदद मिल रही है। 'द जॉब सर्च प्रोसेस: ए लुक फ्रॉम द इनसाइड आउट' शीर्षक वाले एक सर्वेक्षण के अनुसार, दो-तिहाई लोगों ने मिलीजुली व्यवस्था या रिमोट वर्किंग को प्राथमिकता दी है। इनमें से 71 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि उन्होंने नौकरी खोजते समय घर से काम करने की आजादी, काम के घंटों में लचीलापन और आवश्यकतानुसार ब्रेक लेने की सुविधा को प्राथमिकता दी। रोजगार वेबसाइट इनडीड इंडिया के इस सर्वेक्षण में 561 नियोक्ताओं और 1,249 नौकरी चाहने वालों सहित कुल 1,810 व्यक्तियों से बात की गई।

सर्वेक्षण में 63 प्रतिशत नौकरी चाहने वालों ने मिलीजुली व्यवस्था यानी घर और कार्यालय दोनों जगह से काम करने की सुविधा को प्राथमिकता दी, जबकि 51 प्रतिशत कंपनियों ने भी अपने संचालन में इस तरह के लचीलेपन की पेशकश की।

मुक्केबाजी में मनमाने नियमों के आधार पर अपने चहेतों को आगे बढ़ाया जा रहा है : ओलंपियन विजेंदर कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भिवानी/भाषा। ओलंपियन मुक्केबाज विजेंदर कुमार और अन्य मुक्केबाजों ने एशियाई खेलों की चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा कि भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) मनमाने नियमों के आधार पर अपने चहेतों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है।

इन सभी ने चयन प्रक्रिया में शामिल दो विदेशी ट्रेनर पर पक्षपात करने के आरोप लगाए। द्रोणाचार्य पुरस्कार हासिल कर चुके कोच जगदीश कुमार और विजेंदर की अगुवाई में सागर अहलावत (92 किलो), रोहित मोर (57 किलो) और अमित पंघाल (51 किलो) ने रविवार को संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में बगैर ट्रायल के चयन करने पर ऐतराज जताया। एशियाई खेल 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझोउ में आयोजित होनी है। पहले चयन प्रक्रिया ट्रायल और खिलाड़ी के पूर्व प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर तय होती थी। लेकिन अब नए मनमाने नियम बनाकर आठ अंक के आधार पर चयन किया जाता है, जिसको लेकर मुक्केबाजों को ऐतराज है। नई चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों की हाजिरी, उनके उठने व सोने का समय, खिलाडिय़ों का वजन सहित ऐसे मापदंडों को अपनाया गया है जिससे खेल का बहुत सीधा ताल्लुक नहीं है। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता विजेंदर ने कहा, मैंने देश के लिए मुक्केबाजी में पहला पदक प्राप्त किया है। लेकिन कभी भी मुक्केबाजी महासंघ ने चयन प्रक्रिया के नियमों को बनाने, उन्हें बदलने या मुक्केबाजी के उत्थान के लिए किसी कार्यक्रम में मुझे नहीं बुलाया। उन्होंने कहा, मुक्केबाजी को लेकर देश में मेरा अहम योगदान रहा है लेकिन अब मुक्केबाजी महासंघ मनमाने नियमों के आधार पर अपने चहेतों को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। विजेंदर ने कहा, मुझे इस पर ऐतराज है। भिवानी के इस स्टार मुक्केबाज ने कहा, चयन के लिए कोच विदेशों का क्या मतलब है। ऐसी चयन प्रक्रिया चाटुकारिता और गुलामी को बढ़ावा देगी। अनुभवी खिलाड़ी पिछड़ेंगे और जी-हजुरी वालों का चयन होगा।

उत्तराखंड : नैनीताल में शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल और 130 से अधिक अवैध निर्माण को ढहाया गया

नैनीताल/भाषा। उत्तराखंड के नैनीताल शहर में शत्रु संपत्ति मेट्रोपोल होटल और उसके आसपास स्थित 130 से अधिक अवैध निर्माण को ढहा दिया गया। कार्रवाई से पहले नैनीताल प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को संपत्ति खाली करने का नोटिस दिया था। इस बीच, अतिक्रमणकारियों ने उत्तराखंड उच्च न्यायालय का रुख करते हुए इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया, लेकिन उन्हें राहत नहीं मिली। ज्यादातर परिवारों ने शुक्रवार रात तक घर खाली कर दिए थे, जबकि बाकी बचे लोग शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई शुरू होने पर घरों से बाहर निकल गए।

सीएम स्टालिन ने मणिपुर के खिलाड़ियों को तमिलनाडु में प्रशिक्षण के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने हिंसा प्रभावित मणिपुर के खिलाड़ियों को अपने राज्य में प्रशिक्षण के लिए रविवार को आमंत्रित किया। वहीं, एम के स्टालिन के बेटे और राज्य के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मणिपुर के खिलाड़ियों को तमिलनाडु में सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने का भरोसा दिलाया।

स्टालिन ने एक बयान में कहा कि मणिपुर के हालात वहां के खिलाड़ियों के लिए 'खेलो इंडिया' और एशियाई खेलों जैसे आयोजनों के लिए प्रशिक्षण लेने के वास्ते अनुकूल नहीं हैं। उन्होंने कहा, मैंने युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन को तमिलनाडु में मणिपुर के खिलाड़ियों के लिए सभी जरूरी इंतजाम करने का निर्देश दिया है।

उदयनिधि ने खेल विभाग की ओर से 'उच्च गुणवत्ता वाली' सुविधाएं मुहैया कराने का आश्वासन दिया है। तमिलनाडु 'खेलो इंडिया गेम्स' के 2024 संस्करण की मेजबानी करेगा।

स्टालिन ने कहा कि मणिपुर को चैंपियन, खासकर 'महिला चैंपियन' पैदा करने के लिए जाना जाता है और तमिलनाडु, राज्य के मौजूदा हालात को 'गहरी चिंता और पीड़ा' के साथ देख रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तमिल संस्कृति प्यार और देखभाल की भावना का अनुसरण कर रही है। उन्होंने 'याथुम ऊरे, यावरुम केलिर' कहावत का जिक्र किया, जिसका अर्थ है हर जगह मेरी है और सभी लोग मेरे संबंधी हैं।' तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि यह कहावत तमिलनाडु में मणिपुर के खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के संबंध में उनके निर्देश का आधार बनी।

उन्होंने कहा कि तमिलनाडु में प्रशिक्षण के इच्छुक मणिपुर के खिलाड़ी उनकी सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए मोबाइल नंबर पर संपर्क कर सकते हैं या पहचान प्रमाणपत्र और प्रशिक्षण आवश्यकताओं सहित अन्य विवरण के साथ उसे ईमेल भेज सकते हैं।

एनआईए ने पूरे तमिलनाडु में पीएमके पदाधिकारी हत्या मामले में छापे मारे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुनेलवेली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने रविवार को 2019 में पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के पदाधिकारी वी.रामलिंगम की सनसनीखेज हत्या की जांच के हिस्से के रूप में पूरे तमिलनाडु में कई स्थानों पर एक साथ तलाशी ली।

पुलिस के हवाले से प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि आज सुबह शुरू हुई तलाशी वर्तमान में तिरुनेलवेली, तिरुचिरापल्ली, तंजावुर, कुंभकोणम,विल्लुपुरम, मयिलादुथुराई , कुड्डालोर और कोयंबटूर सहित नौ जिलों में चल रही थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि छापेमारी के दौरान लैपटॉप , मोबाइल फोन एवं कई आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए गए। एनआईए के अधिकारी तिरुनेलवेली में कड़ी पुलिस सुरक्षा के बीच सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) के प्रदेश अध्यक्ष नेल्लई मुबारक के घर पर तलाशी ले रहे थे। कोयंबटूर की एक रिपोर्ट के अनुसार उक्कदम क्षेत्र के पास कोट्टाइमु में एम.वाई.अब्बास के आवास पर छापे मारे गए। वह पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का पूर्व पदाधिकारी है। अब्बास पीएफआई की राष्ट्रीय कार्यकारी समिति के सदस्य ए.एस.इस्माइल का करीबी सहयोगी भी है, जिसे पिछले साल एनआईए ने गिरफ्तार किया था।

एनआईए ने रामलिंगम की हत्या के सिलसिले में पहले ही कुछ लोगों को पकड़ लिया था, जबकि कुछ संदिग्ध फरार बताए गए थे।

उल्लेखनीय है कि रामलिंगम (45), तंजावुर जिले के थिरुभुवनम में कीझा थोंडिल विनायगम पेट्टई का मूल निवासी था। उसकी पांच फरवरी, 2019 को कथित तौर पर पीएफआई और दावा कार्यकर्ताओं द्वारा मुस्लिम स्ट्रीट पर हत्या कर दी गई थी।

रामलिंगम ने उनसे दलित लोगों को इस्लाम में परिवर्तित करने के प्रयास के लिए पूछताछ की थी। मृतक के बेटे आर.श्याम सुंदर की शिकायत पर, तिरुविदाईमरुथुर पुलिस ने 16

पीएमके ने केंद्र सरकार से आग्रह किया

कर्नाटक कावेरी जल छोड़ने में बढ़ोतरी करे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के संस्थापक रामदास ने केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि कर्नाटक तमिलनाडु को कावेरी का और अधिक पानी दे।

पीएमके नेता ने रविवार को एक बयान में कहा कि कावेरी जल की वर्तमान मात्रा तमिलनाडु के डेल्टा क्षेत्र में फसलों के लिए पर्याप्त नहीं है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि कर्नाटक ने काबिनी और केआरएस बांधों से 5000 क्यूसेक पानी छोड़ा है।

रामदास ने कहा कि मेट्टूर बांध में पानी का वर्तमान स्टोरेज केवल 10 अगस्त तक रहेगा और कहा कि दोनों बांधों से छोड़ा गया पानी तमिलनाडु की सीमा तक पूरा नहीं पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि यदि राज्य के डेल्टा जिलों में पानी ठीक से नहीं पहुंचेगा तो फसलें सूख जाएंगी।

रामदास ने कहा कि कावेरी नदी जल न्यायाधिकरण के फैसले के अनुसार कर्नाटक को 32.3 टीएमसी पानी छोड़ना चाहिए था लेकिन उसने अब तक केवल 4 टीएमसी पानी ही छोड़ा है। वरिष्ठ नेता ने कहा कि कर्नाटक को 31 अगस्त तक 25.344 क्यूसेक पानी छोड़ना चाहिए ताकि तमिलनाडु को उसका उचित हिस्सा मिल सके।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक में कावेरी पर बने बांधों में 58 टीएमसी पानी है और उन्हें 35000 क्यूसेक पानी मिलता है और उन्होंने कहा कि तमिलनाडु को पानी छोड़ने में कोई समस्या नहीं है।

पीएमके नेता ने केंद्र सरकार से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि कुरुवई फसलों को बचाने के लिए कर्नाटक से 25000 क्यूसेक पानी छोड़ा जाए और तमिलनाडु सरकार से इसके लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का आह्वान किया है।

तमिलनाडु के छह जिले सूखा प्रभावित घोषित

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने राज्य के छह जिलों को सूखा प्रभावित घोषित किया है। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुमार जयंत ने पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम, शिवगंगा, तेनकासी, थूथुकुडी और विरुधुनगर जिलों के 25 ब्लॉकों को मध्यम सूखा प्रभावित घोषित किया है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार, जिन ब्लॉकों में वर्षा की कमी के कारण फसल की क्षति 33 प्रतिशत से अधिक होती है, उन्हें मध्यम कृषि सूखा प्रभावित ब्लॉक घोषित किया जाता है। इन ब्लॉकों में 1 अक्टूबर 2022 से 31 दिसंबर 2022 तक अपर्याप्त वर्षा हुई। तमिलनाडु कृषि विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आईएएनएस को बताया कि यदि वर्षा एक निश्चित प्रतिशत से कम हो जाती है, तो भूजल स्तर कम हो जाएगा, जिससे गर्मी की अवधि में सूखा पड़ जाएगा। अधिकारी ने बताया कि जब गर्मियों में सूखा पड़ता है तो सरकार ऐसे इलाकों को सूखा प्रभावित घोषित कर देती है। सूत्रों के मुताबिक, इन जिलों के किसानों ने राज्य कृषि राहत आयुक्त को इन सूखा प्रभावित ब्लॉकों में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए याचिका दायर की है। तमिलनाडु सरकार ने पहले ही कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण से अपील की है कि वह कर्नाटक सरकार को कावेरी नदी से राज्य को उसकी मात्रा का पानी छोड़ने का निर्देश दे। कुरुवई के किसानों द्वारा तमिलनाडु में कावेरी से पानी के कम प्रवाह के कारण मेट्टूर बांध से पानी की कमी की याचिका दायर करने के बाद यह घोषणा की गई है।

कांग्रेस-द्रमुक गठबंधन में शामिल होने को लेकर दुविधा में कमल हासन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कमल हासन इस बात को लेकर अनिश्चित हैं कि उनकी राजनीतिक पार्टी मक्कल निधि मय्यम (एमएनएम) राज्य में कांग्रेस-डीएमके गठबंधन में शामिल हो या नहीं। सुपरस्टार, केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की कई गतिविधियों के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते रहे हैं। कमल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रतिष्ठित 'भारत जोड़ो' यात्रा के दिल्ली चरण में भी भाग लिया।

एमएनएम को पटना और बेंगलूरु में विपक्षी गठबंधन की बैठक में आमंत्रित नहीं किया गया था। पार्टी के सूत्रों ने आईएएनएस को बताया कि कमल हासन और उनका एमएनएम विपक्षी गठबंधन का हिस्सा नहीं है और वर्तमान में पार्टी लोकसभा चुनावों से पहले राज्य भर में अपना समर्थन आधार विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। कमल हासन 2021 के विधानसभा चुनाव में कोयंबटूर दक्षिण सीट से भाजपा नेता और महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन से हार गए थे। एमएनएम के सूत्रों ने बताया कि सुपरस्टार लोकसभा चुनाव के लिए चुनावी गठबंधन पर फैसला लेंगे और वर्तमान में पार्टी का मतदाता आधार बढ़ा रहे हैं।

लाहिरू थिरिमाने ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीलंका के बल्लेबाज लाहिरू थिरिमाने ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की है। इस 33 वर्षीय खिलाड़ी ने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अपने 12 साल के करियर में 44 टेस्ट, 127 एक दिवसीय और 26 टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले। थिरिमाने ने श्रीलंका की तरफ से तीन टी20 विश्वकप में भाग लिया जिनमें 2014 का विश्वकप भी शामिल है जिसमें उनकी टीम चैंपियन बनी थी। इसके अलावा उन्होंने दो वनडे विश्व कप में श्रीलंका का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने पांच वनडे में श्रीलंका की कप्तानी भी की। थिरिमाने ने अपने फेसबुक पेज पर लिखा, एक खिलाड़ी के रूप में मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास किया। मैं इस खेल का सम्मान करता हूं और मैंने अपनी जिम्मेदारी इमानदारी से निभाई। उन्होंने कहा, संन्यास का फैसला करना मुश्किल था लेकिन मैं यहां उन कई कारणों का जिक्र नहीं कर सकता जिनकी वजह से मुझे इच्छा या अनिच्छा से यह फैसला करना पड़ा।

चार साल बाद देवधर ट्रॉफी की वापसी पर तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर होगी नजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। देवधर ट्रॉफी की चार साल के बाद सोमवार को जब वापसी होगी तो भारतीय क्रिकेट जगत की नजरें उन तेज गेंदबाजों पर होगी जो आने वाले समय में सफेद गेंद (सीमित ओवरों के मुकाबले) के प्रारूप की राष्ट्रीय और ए' टीमों में अपनी जगह पक्की कर सकें। अगले 11 दिनों में दक्षिण क्षेत्र, उत्तर क्षेत्र, पश्चिम क्षेत्र, पूर्व क्षेत्र, मध्य क्षेत्र और पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ताओं को प्रभावित करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगायेंगे।

शीर्ष स्तर के इस लिस्ट ए टूर्नामेंट के इस सत्र का महत्व इसलिए भी ज्यादा है क्योंकि चार साल के बाद इसकी वापसी हो रही है। भारतीय टीम एकदिवसीय विश्व कप के बाद बदलाव के दौर से गुजरेगी और ऐसे में टीम को जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्पों की जरूरत होगी। इन अनुभवी खिलाड़ियों के कार्यभार प्रबंधन को भी देखते हुए टीम को युवा तेज गेंदबाजों की जरूरत होगी। पिछले कुछ समय में कर्नाटक के विद्वाथ कावेरप्पा और वैसाख विजयकुमार की जोड़ी ने काफी प्रभावित किया है।

दिलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल और फाइनल में दक्षिण क्षेत्र की ओर से खेलते हुए इन तेज गेंदबाजों ने असाधारण प्रदर्शन किया। दोनों ने इन दो मैचों में 24 विकेट लिए और अब इस प्रदर्शन को जारी रखने के लिए उत्सुक होंगे। आकाश मधवाल भले ही 29 वर्ष के हों लेकिन उत्तराखंड के तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2023 में अपने प्रदर्शन से काफी प्रभावित किया। घरेलू स्तर पर गोवा का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन तेंदुलकर यहां दक्षिण क्षेत्र के लिए खेलेंगे। बाएं हाथ का तेज गेंदबाज यहां कुछ अच्छे प्रदर्शन के साथ खुद को साबित करना चाहेगा। निकिन जोस, हर्षित राणा, निशांत सिंधू और बी साई सुदर्शन कोलंबो में इमर्जिंग एशिया कप के बाद इस टूर्नामेंट में शामिल होंगे।

कर्नाटक सरकार ने न्यायिक जांच के दिए आदेश

पीएसआई घोटाला

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार ने 545 पुलिस उप-निरीक्षकों (पीएसआई) की भर्ती में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोपों की जांच के लिए उच्च न्यायालय के न्यायाधीश (सेवानिवृत्त) बी वीरप्पा के तहत एक न्यायिक आयोग नियुक्त किया है। जांच आयोग गठित करने के आदेश में गृह विभाग ने न्यायमूर्ति वीरप्पा से जांच पूरी करने और तीन महीने में सरकार को रिपोर्ट सौंपने को कहा है।राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने पीएसआई घोटाले की न्यायिक जांच को सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकार की नफरत की राजनीति करार दिया और आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता भी इसमें शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पीएसआई घोटाले का खुलासा किया था और अपराध जांच विभाग (सीआईडी) जांच के आदेश दिए थे।

उन्होंने संवाददाताओं से कहा, एडीजीपी रैंक के एक अधिकारी को जेल भेज दिया गया है। जांच पूरी हो चुकी है और मामला अदालत में है। इस स्तर पर न्यायिक जांच का आदेश देना नफरत की राजनीति को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस घोटाले में कांग्रेस नेता भी शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि यह घोटाला पिछले साल तब सामने आया जब भाजपा सरकार ने परीक्षा परिणामों में हेरफेर के आरोपों के बाद सीआईडी जांच का आदेश दिया। घोटाले के सिलसिले में कम से कम 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें परीक्षा देने वाले 52 उम्मीदवार भी शामिल हैं। इन 52 अभ्यर्थियों को किसी भी पुलिस भर्ती में भाग लेने से रोक दिया गया है। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी अमृत पॉल को परीक्षा में धांधली में उनकी कथित भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया था। पिछली भाजपा सरकार ने पीएसआई भर्ती परीक्षा को पलट दिया और दोबारा परीक्षा आयोजित करने का फैसला किया, जो अभी तक नहीं हुई है।

हरिप्रसाद की टिप्पणी से कर्नाटक कांग्रेस में खलबली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी.के. हरिप्रसाद के बयान से कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल में खलबली मच गयी है। दरअसल हरिप्रसाद ने कहा कि वह अच्छी तरह से जानते हैं कि किसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाना है या किसी को पद से कैसे हटना है। उन्होंने यह बयान एडिगा, बिलावा, नामधारी और धीवारा समुदायों की एक बैठक में दिया।

उन्होंने कहा, मैं नहीं झुकूंगा या भीख नहीं मांगूंगा। मैं स्पष्ट कर दूं। अगर कोई अन्याय होता है, तो 'कोटि चेन्नया' (महान तुलुवा जुड़वां नायक) ने कहा है इसका सामना कैसे किया जाए। बेंगलूरु में 49 साल तक राजनीति करना कोई बच्चों का खेल नहीं है।

उन्होंने कहा कि वह पहले ही अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (एआईसीसी) की टीम के साथ पांच राज्यों पुडुचेरी, गोवा, झारखंड, हरियाणा और पंजाब में पांच मुख्यमंत्रियों को बनाने भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने उडुप्पी जिले के करकला में कोटि चेन्नय्या थीम पार्क को पांच करोड़ रुपये प्रदान करने का वादा करने के बाद भी कुछ नहीं करने के लिए सिद्दारमैया की आलोचना की। उन्होंने कहा, वह राजनीतिक तौर पर मेरी मदद नहीं कर सकते, बल्कि मैं उनकी मदद कर सकता हूं। हरिप्रसाद ने कहा कि वित्तीय आश्वासन दिए जाने के बाद भी मंगलूरु विश्वविद्यालय में 'गुरुपीठ' स्थापित करने के लिए एक पैसा भी नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एडिगा, बिलावा, नामधारी और दीवारास समुदायों से ज्यादा ईसाई और मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए जा रहे हैं।

सूर्या ने जन्मदिन पर पेश की 'कंगुवा' की पहली झलक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिल सुपरस्टार सूर्या की आगामी फिल्म 'कंगुवा' के निर्माताओं ने रविवार को अभिनेता के 48वें जन्मदिन पर फिल्म की पहली झलक पेश की। 'कंगुवा' एक शक्तिशाली वीर की गाथा है जिसमें अभिनेत्री दिशा पाटनी भी हैं। फिल्म निर्माता शिवा इसका निर्देशन कर रहे हैं। इस फिल्म का निर्माण यूवी क्रिएशन्स और स्टूडियो ग्रीन मिलकर कर रहे हैं। इस फिल्म में संगीत देवी श्री प्रसाद ने दिया है।

स्टूडियो ग्रीन ने ट्विटर पर फिल्म से जुड़ा एक वीडियो साझा कर लिखा,'एक निर्भिक व्यक्ति... वन्य जीव... शानदार कहानी... इन सबका आनंद लेने के लिए तैयार हो जाइए... राजा यहां है...' वर्ष 2022 में 'सूरारई पोत्तरू' के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले सूर्या ने भी अपने ट्विटर पेज पर फिल्म की पहली झलक साझा की है। 'कंगुवा' को 10 भाषाओं में 3डी में रिलीज किया जाएगा। फिल्म का अभी निर्माण चल रहा है और निकट भविष्य में निर्माता इससे जुड़ी आगे की जानकारी साझा करेंगे।

अम्बालिपुरा झील में इस वर्ष सबसे अधिक मछलियों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। संदिग्ध जल प्रदूषण के कारण महादेवपुरा क्षेत्र की निचली अंबालीपुरा झील में इस साल सबसे अधिक मछलियां मरने की सूचना मिली है। मछली ठेकेदार के नारायण के अनुसार, पिछले छह दिनों में ही 20,000 से अधिक मछलियाँ मर चुकी हैं। नारायण ने कहा कि यह चौथी बार है जब मैंने मछली पकड़ने के लिए बीबीएमपी झील में निवेश किया है, और यह पहली बार है जब मुझे भारी नुकसान हुआ है।

आगे उन्होंने कहा कि मैंने 3.60 लाख रुपये का निवेश किया था और एक भी रुपया नहीं मिलेगा, क्योंकि लगभग सभी मछलियां मर चुकी हैं। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने की ज़रूरत है कि झील के प्रदूषण को संबोधित किया जाए। अगर अधिकारियों ने पानी की गुणवत्ता और तूफानी जल निकासी की उचित जांच सुनिश्चित की होती, तो नुकसान कम हो सकता था।

एक दशक पहले बीबीएमपी द्वारा झील का कायाकल्प किया गया था, और स्थानीय लोग जल निकाय का रखरखाव कर रहे हैं। उनके अनुसार, यह पहली बार है कि लोअर अंबालीपुरा झील पर इतने बड़े पैमाने की घटना सामने आई है।

एक झील कार्यकर्ता ने कहा कि 7 एकड़ से अधिक की झील पांच बड़े अपार्टमेंट परिसरों से घिरी हुई है और एक बार भी कच्चा सीवेज नहीं छोड़ा गया, क्योंकि सभी में सीवेज उपचार संयंत्र हैं। हालाँकि, तूफानी जल निकासी में रात के दौरान सीवेज का प्रवाह देखा जाता है। ऊपरी अम्बालिपुरा झील की ऊपरी धारा में कथित तौर पर सीवेज मिलता है और यह भी एक कारण हो सकता है। बीबीएमपी को सूचित कर दिया गया है। झील संरक्षण समूह ने पानी के नमूने ले लिए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। नतीजों का इंतजार है।

कुछ स्थानीय लोगों का मानना है कि पिछले दो वर्षों से, क्षेत्र के चारों ओर तेजी से व्यावसायिक गतिविधियाँ हुई हैं, होटल और दुकानें तेजी से बढ़ी हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि ये प्रतिष्ठान अपना सीवेज कहां बहा रहे हैं। एक कार्यकर्ता ने कहा कि हो सकता है कि होटल और दुकान के मालिक रात में सीवेज को नाले में बहा रहे हों, जिससे प्रदूषण हुआ हो।

इस बीच, बीबीएमपी लेक डिवीजन के मुख्य अभियंता विजयकुमार हरिदास ने कहा कि उन्हें घटना की जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे अधिकारियों ने कहा कि पिछले महीने, उन्होंने झील में सीवेज के प्रवेश की जांच की थी, जिसे कम कर दिया गया था। हालाँकि, हमने ठेकेदार से डिटॉक्सिफाइंग स्प्रे का उपयोग करने के लिए कहा है।

टमाटर डकैती : कर्नाटक में दंपति गिरफ्तार, अन्य आरोपियों की तलाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक पुलिस ने बेंगलूरु के आरएमसी यार्ड पुलिस स्टेशन में दर्ज टमाटर लूट मामले में एक जोड़े को गिरफ्तार किया है और तीन अन्य आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार जोड़े की पहचान भास्कर और उसकी पत्नी सिंधुजा के रूप में हुई है। मामले में रॉकी, कुमार और महेश की तलाश जारी है। घटना 8 जुलाई को हुई थी। बदमाशों ने बेंगलूरु में एक किसान को धमकी देकर 2,000 किलोग्राम टमाटर ले जा रहे वाहन को लूट लिया था।

यह घटना बेंगलूरु के चिक्कजाला के पास आरएमसी यार्ड पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई थी। किसान चित्रदुर्गा जिले के हिरियूर शहर से कोलार बाजार में टमाटर ले जा रहा था। टमाटरों पर नजर पड़ने के बाद बदमाशों के गिरोह ने गाड़ी का पीछा किया था. उन्होंने वाहन को रोक लिया और बोलेरो मालवाहक वाहन के किसान और चालक के साथ मारपीट की और आरोप लगाया कि उनके वाहन को टक्कर मार दी गई है। उन्होंने उनसे पैसों की मांग की थी और बाद में पैसे ट्रांसफर करवा लिए। वे किसान के साथ मालवाहक वाहन में सवार हुए थे। बाद में बदमाशों ने किसान को जबरदस्ती गाड़ी से बाहर धकेल दिया था और टमाटर लदी गाड़ी लेकर चले गए। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए और सुराग जुटाए। आरोपी दंपत्ति वाहन लेकर चेन्नई गए थे और वहां टमाटर बेचे थे। उन्होंने वाहन को पीन्या और बेंगलूरु के पास पार्क किया था और दूसरे वाहन में भाग गए थे, इसमें पंजीकरण नंबर प्लेट नहीं थी। गौरतलब है कि कर्नाटक में टमाटर की कीमतें 120 से 150 रुपये तक पहुंच गई हैं। किसानों को टमाटर फसल की रखवाली करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जो देश इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, शास्त्री ने बनाया भाजपा उसको खत्म करना चाहती है : रंधावा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि जो देश इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, डॉ मनमोहन सिंह ने बनाया है उसे भगवा पार्टी खत्म करना चाहती है। जयपुर देहात के कांग्रेस अध्यक्ष गोपाल मीणा के पदभार ग्रहण समारोह को संबोधित करते हुए रंधावा ने कहा जो देश इंदिरा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, डॉ मनमोहन सिंह ने बनाया है, भाजपा उसको खत्म करना चाहती है। हम कभी ऐसा नहीं होने देंगे और शुरुआत राजस्थान से करेंगे।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री क्यों इतनी बार राजस्थान का दौरा कर रहे है? दरअसल उन्हें इस बात का डर है कि अगर वे (प्रधानमंत्री) राजस्थान हार गए तो पूरा हिन्दुस्तान हार जाएंगे.. तो मेरी भी चुनौती है प्रधानमंत्री साहब.. हम भाजपा को यहां से हरायेंगे और देश में कांग्रेस की सरकार बनायेंगे। मणिपुर की घटना का जिक्र करते रंधावा ने कहा, तीन महीने से मणिपुर में क्या हो रहा है.. प्रधानमंत्री की ना नींद खुल रही है... मन की बात करते है।

उन्होंने कहा, हमको कांग्रेस ने अनुशासन में रहना सिखाया है। हमारी शुरुआत हुई थी महात्मा गांधी से हमारे में सरदार बल्लभ सिंह का खून है.. हम कांग्रेस वाले काम करना चाहते है.. हम भगत सिंह भी बन सकते है.. हम महात्मा गांधी भी बन सकते है। उन्होंने कहा प्रदेश सरकार ने बहुत काम किये है और अब समय आ गया है कि कांग्रेस का वर्चस्व बनाए रखा जाये। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद डोटासरा सहित कांग्रेस ने पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे।

कूनो में मौत के बावजूद राजस्थान नहीं भेजे जा रहे चीते : सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। राजस्थान के पूर्व मंत्री भरत सिंह कुंदनपुर ने मध्य प्रदेश में गुना जिले के कूनो नेशनल पार्क में चीतों की लगातार हो रही मौतों के बावजूद इन चीतों में से कुछ को राजस्थान में स्थानांतरित नहीं करने पर केन्द्र सरकार की आलोचना की है। कोटा में सागांद विधायक सिंह ने कहा कि अफ्रीकी देशों से कूनो नेशनल पार्क में लाए गए चीतों की लगातार हो रही मौतों में अब तो उच्चतम न्यायालय ने इस मसले पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं कि जब मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में लगातार चीतों की मौत हो रही है तो उनमें से कुछ को राजस्थान में क्यों नहीं स्थानांतरित कर दिया जाता। इसके लिए उच्चतम न्यायालय ने केंद्र सरकार से जवाब भी तलब किया है।

सिंह ने कहा कि अफ्रीकी देशों से आए चीता विशेषज्ञों की टोली ने देश भर के विभिन्न अभयारण्यों में दौरा करने के बाद जिन अभयारण्य को चीते बसाने की दृष्टि से सर्वाधिक उपर्युक्त उपर्युक्त पाया था, उसमें मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व का दरा अभयारण्य क्षेत्र का 82 वर्ग किलोमीटर का हिस्सा भी शामिल था लेकिन राजनीतिक भेदभाव के चलते प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार ने भाजपा शासित मध्यप्रदेश में चीते बसाना उपर्युक्त समझा। सिंह ने कहा कि अफ्रीकी देशों से लाए गए चीतों में से 40 प्रतिशत की मौत हो गई है जबकि अभी वहां से चीजों को लाए गए एक साल का वक्त भी नहीं गुजरा है।

उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में केंद्र सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है जिस पर अगले महीने की पहली तारीख को सुनवाई होना है। उल्लेखनीय है कि अफ्रीका से 20 चीते लाए गए थे और लाए जाने के बाद चार शावकों का जन्म कूनो में हुआ था जिनमें से तीन की मौत हो चुकी है जबकि कुछ अन्य चीते भी काल के गाल में समा चुके हैं।

राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं :जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय मंत्री व भारतीय जनता पार्टी के राजस्थान के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी ने महिलाओं पर अत्याचार सहित अनेक मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं। जोशी पार्टी के 'नहीं सहेगा राजस्थान' अभियान के तहत शनिवार को अजमेर में थे। वहां पार्टी की संभाग स्तरीय बैठक में उन्होंने कहा, राजस्थान में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, आए दिन महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है।

पार्टी के बयान के अनुसार एक अन्य बैठक में जोशी ने कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार ने विकास, सुरक्षा को लेकर राजस्थान को पीछे धकेल कर उसकी अस्मिता को खत्म कर नाम खराब करने का काम किया है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, सांसद भागीरथ चौधरी, विधायक वासुदेव देवनानी भी मौजूद थे। इस अभियान के तहत पार्टी की ओर से शनिवार शाम जयपुर में मशाल जुलूस भी निकाला गया।

बीकानेर में डकैती मामले में दो और डकैत गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की सीकर पुलिस ने बीकानेर में आभूषण की दुकानों में हुई डकैती मामले में दो और डकैतों को शनिवार को गिरफ्तार किया। वहीं, मुठभेड़ में घायल एक डकैत पुलिस हिरासत में है। बीकानेर जिले की डूंगरगढ़ तहसील के मोमासर गांव में आभूषण की छह दुकानों पर आठ लोगों ने शुक्रवार को डाका डाला था।

सीकर के रामगढ़ कस्बे में शुक्रवार को डकैतों और पुलिस के बीच हुई मुठभेड़ में एक डकैत सुरेश मीणा की गोली लगने से मौत हो गई थी, जबकि एक अन्य डकैत रविंद्र गोली घायल हो गया था और उसके छह साथी फरार हो गए थे। रामगढ़ के थानाधिकारी हेमराज मीणा ने रविवार को बताया कि डकैती मामले में शनिवार को सुनील और विजय नाम के दो डकैतों को गिरफ्तार किया गया, जबकि मुठभेड़ में घायल रविंद्र का पुलिस हिरासत में उपचार जारी है।

उन्होंने कहा कि डकैतों का सरगना मक्खन सहित चार आरोपी अब भी फरार हैं और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई है। थानाधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के पास से डकैती के दौरान लूटे गए सोने-चांदी के जेवरात, देसी कट्टा, चोरी में काम आने वाले कटर, लोहे की चेन, कई अलग-अलग तरह के उपकरण और बोलेरो वाहन बरामद किया गया है।

सुशील मोदी ने कांग्रेस पर संसद में व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया

उदयपुर। भाजपा के वरिष्ठ नेता सुशील कुमार मोदी ने कांग्रेस पर संसद में व्यवधान पैदा करने का आरोप लगाया। उन्होंने मणिपुर घटना की निंदा करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदन चलाना चाहती है और उसने साफ कर दिया है कि वह इस मुद्दे पर बहस के लिए तैयार है लेकिन कांग्रेस ऐसा नहीं चाहती।

उन्होंने उदयपुर में संवाददाताओं से कहा, कांग्रेस इस मुद्दे पर बहस नहीं चाहती है इसलिए पार्टी पिछले दो दिनों से सदन की कार्यवाही को बाधित कर रही है। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं के खिलाफ अपराध को लेकर राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासन में राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं।

जोधपुर में हुए ऐतिहासिक बहुआयामी विकास कार्य : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को जोधपुरवासियों को 139 करोड़ रुपए लागत के विकास कार्यों की सौगात दी। गहलोत ने मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सरदारपुरा, सूरसागर, जोधपुर शहर और लूणी विधानसभा क्षेत्रों के 308 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। साथ ही, लोक कलाकारों के आवास के सपनों को साकार करने के लिए जोधपुर विकास प्राधिकरण द्वारा लोक कला नगर आवासीय योजना, चौखा की आवेदन पुस्तिका का विमोचन भी किया।मुख्यमंत्री ने समारोह में कहा कि प्रदेश के हर

जिले में बहुआयामी विकास के लिए राज्य सरकार संकल्पित है।

जोधपुर में सुगम, सुरक्षित सड़कों के साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत सरंचनाओं का मजबूती से विस्तार किया जा रहा है। इस शहर का हर दृष्टि से तीव्रतर विकास हुआ है, जिससे यह शहर देश में अग्रणी एवं विशिष्ट पहचान बना चुका है। देश में जोधपुर एकमात्र ऐसा जिला है, जहां सभी तरह की विश्वस्तरीय संस्थाएं एक साथ संचालित हैं। यहां एम्स, राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल, आयुर्वेद, विधि एवं पुलिस विश्वविद्यालय सहित सभी प्रमुख संस्थान हैं।

उन्होंने कहा कि जोधपुर में पिछले चार वर्षों में जनकल्याणकारी विकास कार्य हुए हैं। भविष्य में भी कोई कमी नहीं रखी जाएगी। स्थानीय आमजन की अनुशंसा पर हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पानी, बिजली, शिक्षा, कृषि तथा स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में जोधपुर के विकास पर जोधपुरवासियों को गर्व होना चाहिए।

गहलोत ने विकास कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित निगरानी रखने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी कार्य में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने नए जिलों की घोषणा पर कहा कि जितने छोटे जिले होंगे, वहां उतना ही अधिक प्रशासनिक एवं विकास कार्य होगा।

हिण्डोली-नैनवां के हर क्षेत्र में हुआ चहुंमुखी विकास : चांदना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। युवा मामले, खेल तथा सूचना एवं जनसंपर्क राज्यमंत्री अशोक चांदना ने कहा कि हिण्डोली-नैनवां क्षेत्र में शिक्षा, चिकित्सा, सड़क, बिजली, सिंचाई सहित हर क्षेत्र में चहुमुंखी विकास हुआ है। बडी संख्या में हुए विकास कार्यों से आमजन का जीवन आसान हो रहा है। चांदना शनिवार को नैनवां उपखण्ड क्षेत्र के ढाढूण, देई एवं फूलेता में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को सम्बोधित कर रहे थे।

चांदना ने कहा कि हिण्डोली-नैनवां क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाकर आमजन को बेहतर सडके उपलब्ध कराई गई है। युवाओं को शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे बच्चे उच्च शिक्षा प्राप्त कर जीवन में सफलता हासिल करेंगे। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में राजकीय कॉलेजों की स्थापना से निर्धन व्यक्तियों के बच्चों का उच्च शिक्षा का सपना साकार हो रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में सभी को आरक्षण की सुविधा का लाभ मिल रहा है। इसका लाभ उठाने के लिए शिक्षा के बेहतर प्रबंध जरूरी थे, इसको ध्यान में रखते हुए शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य किए गए हैं।

राज्यमंत्री ने कहा कि हिण्डोली-नैनवां क्षेत्र के चहुंमुखी विकास में कोई कमी नहीं रखी गई है। पेयजल, सिंचाई, बिजली, चिकित्सा, शिक्षा, सड़क, कृषि सहित हर क्षेत्र में विकास के नए आयाम स्थापित किए गए हैं। क्षेत्र में सड़कों का व्यापक विकास करवाया गया है, इससे आमजन को आवागमन की बेहतर सुविधा मिल रही है। क्षेत्र में पेयजल की समस्या का एक हजार करोड़ की चम्बल पेयजल परियोजना से स्थाई समाधान हो गया है। उन्होंने कहा कि किसानों को राहत देने के लिए हिण्डोली में कृषि मंडी शुरू की गई है। सर्दी के मौसम में सिंचाई के लिए दिन में बिजली उपलब्ध करवाकर किसानों को बड़ी राहत प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि देई एकमात्र कस्बा है जिसमें सवा दौ सौ करोड़ का कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय का निर्माण करवाया। कृषि उपज मंडी में 16 करोड़ के अतिरिक्त कार्य हुए हैं। देई में मीणा का झौंपडा से देई तक 40 लाख की सड़क का कार्य करवाया गया। देई के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में अतिरिक्त कक्षा कक्ष और माध्यमिक विद्यालय में नए संकाय खुलवाए गए।

राज्यमंत्री ने कहा कि देई के चहुंमुखी विकास के लिए देई को नगरपालिका बनाया गया है। उन्होंने कहा कि देई के नगरपालिका बनने से यहां के लोगों को इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना का लाभ मिल सकेगा। बड़ी संख्या में सीसी सड़कों के निर्माण से देई के निवासियों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी।

चांदना ने ढाढूण गांव में 33/11 केवी सब स्टेशन के शिलान्यास समारोह में कहा कि सब स्टेशन बनने से क्षेत्र के गांवों को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मिलेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की बिजली की समस्या का सब स्टेशन से समाधान संभव हुआ है।

प्रधानमंत्री मोदी ने राजस्थान के स्वाभिमान पर चोट की : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मणिपुर की घटना पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहली प्रतिक्रिया में राजस्थान का जिक्र आने पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि उन्होंने राजस्थान के स्वाभिमान पर चोट की है। साथ ही गहलोत ने कहा कि देश की जनता मोदी नीत सरकार के कारनामों व लापरवाही से दुखी है।

संसद का मानसून सत्र शुरू होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाए जाने की घटना पर बृहस्पतिवार को कहा था, घटना चाहे राजस्थान की हो, चाहे छत्तीसगढ़ की हो या फिर मणिपुर की... हिंदुस्तान के किसी भी कोने में किसी भी राज्य की सरकार को राजनीतिक वाद-विवाद से ऊपर उठकर कानून व्यवस्था को महत्व देना चाहिए और नारी के सम्मान की रक्षा करनी चाहिए। इसका जिक्र करते हुए गहलोत ने शनिवार को यहां मीडिया से कहा, प्रधानमंत्री ने राजस्थान के स्वाभिमान पर चोट की है। मोदी ने कहा था, मणिपुर की जो घटना सामने आई है वह किसी भी सभ्य समाज को शर्मसार करने वाली है...140 करोड़ देशवासियों को शर्मसार होना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा, देश की 140 करोड़ जनता को शर्मसार नहीं होना पड़ रहा है बल्कि वह आपकी सरकार के कारनामों, आपकी विफलता और आपकी लापरवाही से दुखी है। गहलोत ने कहा कि 77 दिन तक मोदी ने इस मुद्दे पर एक शब्द नहीं बोला लेकिन उच्चतम न्यायालय से संकेत मिलने के बाद कुछ सेकंड में ही अपनी बात रखकर औपचारिकता पूरी कर दी। कांग्रेस नेता ने कहा कि यह सब उस मणिपुर राज्य में हो रहा है जहां भारतीय जनता पार्टी की सरकार है।

उन्होंने कहा, अगर वहां कांग्रेस नीत सरकार होती तो आप कल्पना कीजिए वे क्या-क्या नहीं बोलते? ये बातें देश में हो रही हैं जो बहुत दुखद हैं। मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कानून व्यवस्था, पेपर लीक सहित कई मुद्दों को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधे जाने पर गहलोत ने कहा, ये माहौल खराब कर रहे हैं इनके पास कहने के लिए कुछ नहीं है। ये बस रटी-रटाई बातें करते हैं। हमने विकास में कमी रखी हो तो बताएं।

बधिर विद्यार्थियों ने मॉक-पोलिंग के माध्यम से जागरूकता का दिया परिचय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत निर्वाचन आयोग की वरिष्ठ सलाहकार श्रीमती साधना राउत एवं राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता ने शनिवार को जयपुर के राजकीय सेठ आनन्दीलाल पोद्दार बधिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेएलएन मार्ग एवं महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, नवीन विद्याधर नगर में संचालित निर्वाचक साक्षरता क्लब (ईएलसी) का अवलोकन किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने मॉक-पोलिंग एवं वोटर हेल्पलाईन एप की जानकारी के माध्यम से जागरूकता का परिचय दिया। उल्लेखनीय है कि राजकीय पोद्दार बधिर विद्यालय के विशेष प्रयासों से स्कूल में अध्ययनरत 17+ आयुवर्ग के सभी 176 विद्यार्थियों के मतदाता पंजीकरण के लिए फार्म 6 के द्वारा अग्रिम आवेदन किए जा चुके है ।

श्रीमती राउत ने विद्यार्थियों से संवाद किया एवं उनकी मतदान संबंधी जानकारी एवं ईएलसी की कार्यप्रणाली से प्रभावित होते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री गुप्ता ने ईएलसी से संबंधित गतिविधियों का नियमित रूप से संचालन के लिए प्रोत्साहित किया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में कुल 73000 ईएलसी संचालित हैं, जिनमें सभी 17+ आयुवर्ग के युवाओं ने फ़ॉर्म 6 के माध्यम से मतदाता पंजीकरण के लिए अग्रिम आवेदन किए है तथा अब तक 1.5 लाख से अधिक नव मतदाताओं ने ईवीएम डेमो पर मॉक पोल में हिस्सा लिया है। वहीं 2 लाख 11 हज़ार एनएसएस, 50 हज़ार एनसीसी एवं 6 लाख सक्रिय स्काउट-गाइड को दिव्यांग और वरिष्ठ नागरिकों की सहायता के लिए मतदान के दिन बूथों पर स्वेच्छा से काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है।

नागौर में पिछले चार साल में पोर्नोग्राफी के सबसे ज्यादा मामले दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पिछले चार वर्षों में अश्लील सामग्री (पोर्नोग्राफी) तैयार करने, उसके प्रसारण और भंडारण के 400 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 257 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के गृह विभाग के अनुसार, 2019 से 2022 तक राजस्थान में दर्ज किए गए कुल मामलों में से सबसे ज्यादा 73 नागौर में, उसके बाद शिक्षा नगरी (एजुकेशन हब) के नाम से मशहूर कोटा में 46 और हनुमानगढ़ जिले में 42 मामले थे। भरतपुर, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर और बूंदी जिलों में पिछले चार वर्षों में पोर्नोग्राफी का एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया। नागौर में पोर्नोग्राफी से संबंधित मामलों में 55 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद कोटा में 41 और हनुमानगढ़ में 30, बाड़मेर में 17 और बीकानेर जिले में 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया। कई मामलों की जांच लंबित है। राजस्थान के पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा ने कहा, जहां तक बाल पोर्नोग्राफी से संबंधित मामलों का सवाल है तो इंटरनेट सेवा प्रदाताओं पर कार्रवाई की गई है और कई वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि विभाग बाल पोर्नोग्राफी और साइबर अपराधों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकारी और निजी कॉलेजों में विभिन्न अभियान भी चला रहा है। राजस्थान के गृह विभाग द्वारा राज्य विधानसभा में उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, राज्य पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) द्वारा सर्च इंजन पर अपलोड की गई चाइल्ड पोर्न वेबसाइट की खोज कर सभी इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को भारतीय प्रौद्योगिकह अधिनियम की धाराओं के तहत नोटिस भेजकर 107 वेबसाइट को ब्लॉक कर दिया गया। जुलाई में राजस्थान के डूंगरपुर जिले में एक सरकारी स्कूल के प्रधानाचार्य को पोर्नोग्राफी के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। आरोपी प्रधानाचार्य रमेश चंद्र कटारा ने कहा था कि वह अश्लील फिल्में देखने का आदी था और इन्हें देखने के बाद लड़कियों का यौन शोषण करता था। उसने कथित तौर पर छह नाबालिग स्कूली छात्राओं से दुष्कर्म किया था।

जयपुर में बाल पोर्नोग्राफी देखने और उसे साझा करने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया। आईटी कानू और पॉक्सो (बाल यौन अपराध संरक्षण) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत सिराजुद्दीन, मोहम्मद रफी और अखलाक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी। प्रारंभिक जांच में पता चला कि तीनों आरोपी न सिर्फ बाल पोर्नोग्राफी देखते थे बल्कि उसे सोशल मीडिया मंचों पर साझा भी करते थे।

'नालंदा महाविहार' के आसपास अतिक्रमण को लेकर एएसआई ने बिहार सरकार को लिखा पत्र

प्रमोद कुमार
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने बिहार के नालंदा जिले में विश्व धरोहर स्थल 'नालंदा महाविहार' के आसपास अतिक्रमण और इसके प्रति स्थानीय प्रशासन की कथित 'उदासीनता' को लेकर बिहार सरकार को पत्र लिखा है।

एएसआई के पटना सर्कल की अधीक्षण पुरातत्वविद गौतमी भट्टाचार्य ने बिहार सरकार के कला, संस्कृति एवं युवा विभाग की अपर मुख्य सचिव (एसीएस) हरजोत कौर बम्हरा को लिखे पत्र में कहा है, यदि स्थानीय प्रशासन को खाली भूमि को अपने पास रखना मुश्किल लगता है, तो इसके संरक्षण का जिम्मा एएसआई को सौंपा जा सकता है, ताकि उक्त स्थल का रखरखाव किया जा सके।

भट्टाचार्य ने 21 जुलाई को लिखे पत्र में कहा है कि वर्तमान में एएसआई का क्षेत्राधिकार चहारदीवारी से परे खर्च की अनुमति नहीं देता है। 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में भट्टाचार्य ने कहा, नालंदा में 'नालंदा महाविहार' और पुरातत्व संग्रहालय के आसपास बार-बार होने वाला अतिक्रमण विश्व धरोहर स्थल के उत्कृष्ट सार्वभौमिक मूल्य (ओयूवी) और इसकी प्रामाणिकता एवं अखंडता को बनाए रखने के लिहाज से अच्छा संकेत नहीं है। सभी हितधारकों की संतुष्टि के लिए इस समस्या को जल्द से जल्द हल करने की जरूरत है, ताकि विश्व धरोहर स्थल की पवित्रता से समझौता न हो।

बिहार की राजधानी पटना से लगभग 95 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित नालंदा महाविहार को प्राचीन काल के महानतम विश्वविद्यालयों में से एक माना जाता है। बताया जाता है कि इसकी स्थापना गुप्त वंश के कुमारगुप्त प्रथम (413-455 ई.) ने की थी।

मोदी ने बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महान स्वतंत्रता सेनानियों बाल गंगाधर तिलक और चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन में तिलक और आजाद का योगदान देश के लोगों को हमेशा प्रेरित करेगा।

नरेन्द्र मोदी ने ट्वीट किया, देश के महान सपूत चंद्रशेखर आजाद को उनकी जयंती पर शत-शत नमन। मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके बलिदान की कहानी देश के लोगों को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक अन्य ट्वीट में कहा, पूर्ण स्वराज की मांग से विदेशी हुकूमत की बुनियाद हिलाने वाले देश के अमर सेनानी लोकमान्य तिलक जी की जयंती पर उन्हें शत-शत नमन। स्वतंत्रता संग्राम में उनके साहस, संघर्ष और समर्पण की कहानी देश के लोगों को हमेशा प्रेरित करती रहेगी।

उत्तर प्रदेश में 1906 में जन्मे आजाद ने एक क्रांतिकारी नेटवर्क चलाया और उन्होंने अंग्रेजों द्वारा कभी भी नहीं पकड़े जाने की प्रतिज्ञा ली थी।

उन्होंने 'आजाद' बने रहने के अपने संकल्प पर कायम रहते हुए, 1931 में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान खुद को गोली मार ली थी। वहीं, 1856 में जन्मे तिलक अखिल भारतीय स्तर पर लोकप्रिय उन नेताओं में से एक थे, जो आजादी के आंदोलन के दौरान उभरे थे।

बिहार : बोरवेल में गिरे बच्चे को सुरक्षित निकाला गया

करीब आठ घंटे की मशक्कत के बाद मिली सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बिहारशरीफ (बिहार)/भाषा। नालंदा जिले के नगर पंचायत क्षेत्र में रविवार की सुबह खेलने के क्रम में बोरवेल में गिरे चार साल के बच्चे को लगभग आठ घंटे की मशक्कत के बाद सुरक्षित निकाल लिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी।

नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने बताया की जिला प्रशासन और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के प्रयास से बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। उन्होंने बताया कि एहतियातन बच्चे को जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया है। अधिकारी ने बताया कि नालंदा थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या 17 निवासी डोमन मांझी का चार वर्षीय बेटा शिवम कुमार खेलने के दौरान बोरवेल में गिर गया था।

उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और बोरवेल में करीब 50 फुट की गहराई में फंसे बच्चे को निकालने के लिए बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि बोरवेल में बच्चे को पाइप के माध्यम से ऑक्सीजन की आपूर्ति की जा रही थी और प्रदेश की राजधानी पटना से एनडीआरएफ एवं राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम को भी बुलाया गया था। उन्होंने बताया कि लगातार आठ घंटे तक चलाए गए बचाव अभियान के बाद बच्चे को सकुशल जिंदा बोरवेल से बाहर निकाला गया। अधिकारी ने बताया कि मेडिकल टीम ने बाहर निकलते ही बच्चे की जांच की और उसे स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया।

बरेली में कांवड़ियों पर पथराव, 12 लोग हुए घायल

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले में बारादरी क्षेत्र के जोगी नवादा में रविवार को कांवड़ियों पर कथित पथराव किया गया जिसमें कम से कम 12 लोग घायल हो गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रण में लिया।

अपर जिलाधिकारी (नगर) डॉ. आर. डी. पांडे ने बताया कि घटना से नाराज कांवड़ियों ने घटनास्थल पर ही कांवड़ रख दिए हैं। उनका कहना है कि जब तक हमलावर पकड़े नहीं जाएंगे तब तक कांवड़ नहीं उठाई जाएगी। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से जमकर नारेबाजी हो रही है और मौके पर मौजूद उप जिलाधिकारी, सदर पीयूष पांडे, नगर मजिस्ट्रेट रेनू सिंह और अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी कांवड़ियों को समझाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया कि बारादरी थाना क्षेत्र स्थित जोगी नवादा इलाके में गुसाई गौटिया रिलायंस टावर से करीब दो हजार कांवड़ियों का जत्था गंगाजल लेने के लिए कचला (बदायूं) जा रहा था। उन्होंने बताया कि शाहनूरी मस्जिद के पास दूसरे समुदाय के कुछ लोगों ने कथित तौर पर छतों से कांवड़ियों पर पथराव कर दिया जिसमें कम से कम 12 कांवड़िये घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) राहुल भाटी के साथ पांच थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे इलाके को घेर लिया। सूत्रों ने बताया कि दूसरे समुदाय के लोगों ने आरोप लगाया कि इससे पहले कावड़ यात्रा उक्त रास्ते से नहीं गुजरती थी। उन्होंने कांवड़ियों के इस रास्ते से जाने का विरोध किया जिसके बाद पथराव की घटना हुई।

केंद्र स्वास्थ्य योजनाओं का शत-प्रतिशत विस्तार करने के लिए आयुष्मान भव कार्यक्रम शुरू करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय 'आयुष्मान भव' नामक कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि आखिरी छोर पर मौजूद व्यक्तियों समेत हर वांछित लाभार्थी तक सभी सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ बेहतर तरीके से पहुंच सके।

आधिकारिक सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आयुष्मान आपके द्वार 3.0, आयुष्मान सभा, आयुष्मान मेला और आयुष्मान ग्राम इस कार्यक्रम के तहत नियोजित कुछ गतिविधियां हैं।

एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, इस अभियान का लक्ष्य सभी स्वास्थ्य योजनाओं का व्यापक और पूर्ण विस्तार सुनिश्चित करना है ताकि हर पात्र लाभार्थी लाभ उठाने में सक्षम हो सके।

सूत्रों ने कहा कि आयुष्मान आपके द्वार एक और दो अभियान सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं तथा अब आयुष्मान आपके द्वार तीन के तहत पूर्ण विस्तार सुनिश्चित करने के लिए एक अगस्त से एक सघन अभियान शुरू होगा। उन्होंने कहा कि आयुष्मान सभा, ग्राम स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं पोषण समिति द्वारा चलाया जाने वाला ग्राम स्तरीय अभियान होगा जो यह सुनिश्चित करेगा कि केंद्र और राज्य सरकार की सभी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ वांछित लाभार्थियों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि इनसे प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना स्वास्थ्य बीमा योजना कार्ड और उनके वितरण की महत्ता के बारे में जागरूकता बढ़ेगी तथा आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता संख्या (एबीएचए) सृजित होगी।

इस अभियान से स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों के माध्यम से गैर संक्रामक रोगों एवं सिकल सेल बीमारी तथा ट्यूबरकुलोसिस जैसी संक्रामक बीमारियों की स्थिति में स्क्रीनिंग सेवाओं (जांच) के उपयोग के महत्व के प्रति लोगों को जागरूक करने में मदद मिलेगी। एक आधिकारिक सूत्र ने कहा, ये ग्राम सभाएं प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य मुद्दों, टीकाकरण, पोषण एवं रक्ताल्पता के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद करेंगी। इसके अलावा लोग आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं आरोग्य केंद्र (एबी-एचडब्लयूसी) पर उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित मुद्दे और चिंताएं सामने रखेंगे जिससे समाज के प्रति स्वास्थ्य विभाग की सामाजिक जवाबदेही बढ़ेगी।

आयुष्मान सभा हर गांव में आयोजित की जाएगी जहां पीएमजेएवाई कार्ड वितरित किए जाएंगे और लोगों को उस क्षेत्र में पीएमजेएवाई से जुड़े अस्पतालों और इस योजना के तहत मिलने वाले उपचार पैकेज की जानकारी दी जाएगी।

असम के पुलिस उपमहानिरीक्षक का मोबाइल फोन ले उड़े बदमाश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में पुलिस मुख्यालय के निकट इलाके में रविवार को मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने पुलिस उपमहानिरीक्षक (कानून-व्यवस्था) विवेक राज सिंह का मोबाइल झपट लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि घटना उलुबरी में मजार रोड पर हुई जब सिंह सुबह की सैर के लिए निकले थे। मजार रोड मध्य गुवाहाटी में पुलिस मुख्यालय से कुछ ही दूर स्थित है, जहां सिंह डीजीपी समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठते हैं।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के कई वरिष्ठ अधिकारियों के आधिकारिक आवास मजार रोड के किनारे स्थित हैं। गुवाहाटी पुलिस के सहायक आयुक्त (पानबाजार) पृथ्वी राजखोवा ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, यह घटना पलटनबाजार थाना क्षेत्र में हुई। हम इसकी जांच कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने घटना का विवरण साझा करने से इनकार कर दिया। कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने इस घटना पर बोलने से इनकार कर दिया, जबकि कुछ ने स्वीकार किया कि यह पुलिस के लिए शर्मिंदगी की बात है। पलटनबाजार थाने के एक अधिकारी ने बताया कि वह मामले की जांच कर रहे हैं।

देश की जनता 2024 में भी भ्रष्ट,परिवारवादी नेताओं को हराएगी : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रविवार को 'तीसरी बार-मोदी सरकार' का नारा दोहराते हुए कहा कि देश की जनता 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला पिछले दो लोकसभा चुनावों की तरह ही करेगी।

मौर्य ने रविवार सुबह ट्वीट किया, देश की जनता ने 2014 और 2019 में जिस तरह से सत्ता वियोग में विलाप करने वाले और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का विरोध करने वाले भ्रष्ट, परिवारवादी नेताओं के राजनीतिक भविष्य का फैसला किया था, वैसा ही वह 2024 में भी करने जा रही है। मौर्य ने 'तीसरी बार मोदी सरकार' हैशटैग के साथ यह ट्वीट ऐसे समय में किया है, जब उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस समेत विभिन्न विपक्षी दल मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाए जाने के मामले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर लगातार हमलावर हैं।

इससे पहले मौर्य ने शनिवार शाम ट्वीट किया था, विपक्षी गठबंधन 2024 नहीं, 2029 के लोकसभा चुनाव की तैयारी करे। 2024 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में तीसरी बार सरकार बनवाने का फैसला ले लिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संसद में मणिपुर पर बयान देना चाहिए: फारूक अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संसद में मणिपुर की स्थिति पर बयान देना चाहिए और विपक्षी दलों को भी इस मामले पर अपने विचार व्यक्त करने की अनुमति दी जानी चाहिए।

अब्दुल्ला ने यहां संवाददाताओं से कहा, पूरी दुनिया इसके (मणिपुर) बारे में बात कर रही है। उन्होंने (प्रधानमंत्री) इस मुद्दे पर टिप्पणी की है और बहुत कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया है लेकिन उन्हें इसे संसद में कहना चाहिए। अब्दुल्ला ने कहा, अब उन्हें हमारी (विपक्षी दलों की) बात भी सुननी चाहिए। हमें उम्मीद है कि हमें संसद में इस मुद्दे पर चर्चा करने की इजाजत मिलेगी। हमारा उद्देश्य आलोचना करना नहीं है बल्कि हालात के बारे में अपनी भावनाएं व्यक्त करना है।

मणिपुर में दो कुकी महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाए जाने के वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि मणिपुर हम सभी के लिए एक त्रासदी है। यह हर भारतीय के लिए प्रलय का दिन है। प्रधानमंत्री मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि मणिपुर में महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने की घटना ने 140 करोड़ भारतीयों को शर्मसार किया। उन्होंने कहा कि कानून अपनी पूरी शक्ति से और पूरी सख्ती से एक के बाद एक कदम उठाएगा तथा इस क्रूर घटना के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

चार मई का एक वीडियो बुधवार को सामने आने के बाद मणिपुर में तनाव बढ़ गया। इस वीडियो में दिख रहा है कि एक समुदाय की दो महिलाओं की दूसरे पक्ष की भीड़ द्वारा निर्वस्त्र अवस्था में परेड कराई गई।

अब्दुल्ला ने कहा कि कुछ लोग सत्ता के लिए नफरत फैला रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं ऐसी सत्ता से घृणा करता हूं जिसके लिए हमें लोगों को विभाजित करना पड़ता है। ईश्वर एक है और वह सबका है। आप उसे किस रूप में देखना चाहते हैं यह आप पर निर्भर करता है। आप उसे किसी मंदिर या मस्जिद में देखना चाहते है। वह तो एक ही रहता है। फिर भी हमें बांटा जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है।

मणिपुर में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की दोषपूर्ण राजनीति जातीय संघर्ष की वजह: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया है कि मणिपुर में पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की दोषपूर्ण राजनीति के चलते जातीय संघर्ष हुआ। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि कांग्रेस अब मणिपुर में अपने हितों को ध्यान में रखते हुए छल-कपट कर रही है, जबकि राज्य और केंद्र में उसकी सरकार रहने के दौरान उसके नेताओं के मुंह से एक शब्द तक नहीं निकलता था।

शर्मा ने शनिवार को इस संबंध में सिलसिलेवार ट्वीट किए। उन्होंने ट्वीट में कहा, मणिपुर में बहु-जातीय संघर्षों के कारण जो पीड़ा देखने को मिल रही है उसकी वजह राज्य के प्रारंभिक वर्षों के दौरान कांग्रेस सरकारों की दोषपूर्ण नीतियां हैं। सात दशक के कुशासन से पैदा हुई गड़बड़ियों को ठीक करने में समय लगेगा। उन्होंने दावा किया कि 2014 के बाद से, मणिपुर के सामाजिक ताने-बाने में जबरदस्त सुधार हुआ है और माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में दशकों पुराने जातीय संघर्षों को हल करने की प्रक्रिया समग्रता से पूरी की जाएगी। शर्मा ने कहा, कांग्रेस अचानक मणिपुर में अत्यधिक रुचि दिखा रही है।

जयराम रमेश ने चीता पुनर्वास कार्यक्रम को लेकर सरकार की आलोचना की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने चीता पुनर्वास कार्यक्रम के प्रबंधन को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को कहा कि यदि दिखावा करने के बजाय विज्ञान को परियोजना में आगे रखा गया होता तो हमें वर्तमान त्रासदी शायद नहीं देखनी पड़ती।

'प्रोजेक्ट चीता' के तहत 'रेडियो कॉलर' लगे 20 चीते नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से मध्य प्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान लाए गए थे और बाद में नामीबियाई चीता ज्वाला ने चार शावकों को जन्म दिया था। इन 24 वन्यजीवों में से तीन शावकों सहित आठ की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका से लाए गए सूरज नाम के एक नर चीते की 14 जुलाई को मौत हो जाने के साथ इस साल मार्च से श्योपुर जिले में मरने वाले चीतों की कुल संख्या बढ़कर आठ हो गई। कांग्रेस महासचिव रमेश ने ट्वीटर पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय वन्यजीव अधिकारियों ने चीता पुनर्वास परियोजना से जुड़े सभी संबंधित लोगों को मुद्दे पर कुछ भी न बोलने का आदेश दिया है।

उप्र: शाहजहांपुर मेडिकल कालेज के छात्र-छात्रा का अश्लील वीडियो वायरल

शाहजहांपुर (उप्र)/भाषा। शाहजहांपुर जिले में राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक छात्र और छात्रा का कथित तौर पर अश्लील हरकत करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

मेडिकल कालेज के प्राचार्य राजेश कुमार ने जांच के बाद कार्रवाई करने का भरोसा दिया है। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में पैरामेडिकल के छात्र-छात्राओं का समूह सभागार में बैठा दिख रहा है जिनमें से एक छात्र दूसरी छात्रा के साथ अश्लील हरकतें कर रहा है। कुमार ने बताया कि छात्रों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह गंभीर मामला है और हम कॉलेज की छवि किसी कीमत पर खराब नहीं होने देंगे।

ओडिशा : क्योंझर में सांप के काटने से तीन विद्यार्थियों की मौत

क्योंझर/भाषा। ओडिशा के क्योंझर जिले में एक कोचिंग केंद्र के छात्रावास में एक जहरीले सांप के काटने से दो लड़कियों समेत तीन विद्यार्थियों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि घटना शनिवार रात तब हुई जब चार विद्यार्थी क्योंझर जिले के बारिया क्षेत्र के निश्चिंतपुर गांव स्थित कोचिंग केंद्र में फर्श पर सोए हुए थे। उन्होंने कहा कि सभी चार विद्यार्थियों को जिला मुख्यालय अस्पताल (डीएचएच) ले जाया गया, जहां तीन विद्यार्थियों को मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि एक अन्य विद्यार्थी की हालत गंभीर है जिसे बेहतर इलाज के लिए कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान राजा नायक (12), शेहश्री नायक (11) और एलीना नायक (12) के रूप में हुई है।

भारतीय पुरुष ट्रैप टीम ने जूनियर विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता

नई दिल्ली/भाषा। भारत के बखतरुद्दीन मालिक, शार्दुल विहान और आर्य वंश त्यागी की पुरुष ट्रैप टीम ने कोरिया के चांगवान में चल रही आईएसएसएफ विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता। यह भारत का इस चैम्पियनशिप में 15वां पदक था। इस भारतीय तिकड़ी ने मिलाकर 346 अंक बनाए जबकि शॉटगन के 'पावरहाउस' इटली ने 356 अंक से स्वर्ण पदक हासिल किया।

इससे पहले कोई भी भारतीय पुरुष ट्रैप निशानेबाज फाइनल्स में जगह नहीं बना सके थे। महिलाओं की ट्रैप स्पर्धा में आशिमा अहलावत शीर्ष छह में पहुंची लेकिन फाइनल्स में भी इसी स्थान पर रहीं। आशिमा ने क्वालीफिकेशन में 109 अंब बनाए और फिर छह निशानेबाजों के शूटऑफ से फाइनल के तीन स्थानों में से एक हासिल किया।

आशिमा की साथी प्रीति रजाक शूटऑफ से बाहर होने वाली पहली निशानेबाज रहीं। प्रीति, भाव्या और आद्या त्रिपाठी की तिकड़ी कांस्य से चूक गई। उन्होंने टीम स्पर्धा में कुल 312 अंक बनाए जिससे चीन 314 अंक से उससे आगे रहा। अमेरिका ने स्वर्ण और इटली ने रजत पदक जीते।

सात्विक-चिराग की भारतीय जोड़ी ने कोरिया ओपन में साल का चौथा खिताब जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

येओसु (कोरिया)/भाषा। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की स्टार जोड़ी ने अपना स्वप्निल प्रदर्शन जारी रखते हुए रविवार को यहां इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की शीर्ष वरीय जोड़ी पर फाइनल में तीन गेम की जीत से कोरिया ओपन पुरुष युगल खिताब जीत लिया।

साल का चौथा फाइनल खेल रही दुनिया की तीसरे नंबर की भारतीय जोड़ी ने दो बार के विश्व चैम्पियनशिप कांस्य पदक विजेता अल्फियान और आर्दियांतो की जोड़ी को सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के रोमांचक मुकाबले में 17-21 21-13 21-14 से पराजित किया। चिराग ने मैच के बाद कहा, हम आज फाइनल में जिस तरह से खेले, हमने अच्छी शुरुआत नहीं की थी लेकिन खुश हैं कि हम दूसरा गेम जीतकर अंत तक इसी लय को जारी रख सके। हां, बहुत खुश हैं कि हम इंडोनेशिया ओपन के बाद लगातार खिताब अपने नाम कर सके। इस तरह सात्विक और चिराग की 2022 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन जोड़ी ने लगातार मैचों में जीत की संख्या 10 कर ली और अपनी उपलब्धियों में इजाफा किया। भारतीय जोड़ी ने इस साल स्विस ओपन, एशियाई चैम्पियनशिप और इंडोनेशिया ओपन जीता है। सात्विक ने कहा, यह हमारे लिए काफी अच्छा हफ्ता रहा। हमने यहां पूरे सप्ताह शानदार बैडमिंटन खेला और मैं आज के अपने प्रदर्शन से खुश हूं। हम अगले हफ्ते जापान ओपन में भी यही लय जारी रखना चाहते हैं। इसलिए हम अभी आराम करेंगे और फिर अपना ध्यान लगाएंगे। इस जोड़ी का एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता अल्फियान और आर्दियांतो के खिलाफ जीत का रिकार्ड 2-2 से बराबर था जिसमें से अंतिम दो मौकों पर उन्होंने इंडोनेशियाई जोड़ी को पराजित किया था।

जूनियर एशियाई जूडो चैंपियनशिप में भारत को तीन स्वर्ण सहित पांच पदक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एपी। भारत ने चीन के मकाउ में चल रही जूनियर एशिया कप जूडो चैंपियनशिप में रविवार को तीन स्वर्ण पदक सहित पांच पदक जीते। महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्वर्ण पदक जीता जबकि उन्नति शर्मा (63 किग्रा) और अरुण कुमार (73 किग्रा) भी स्वर्ण पदक जीतने के सफल रहे। अस्मिता शुरुआती दौर में ग्रुप डी में शीर्ष पर रही। उन्होंने हांगकांग की सुएत यीयू टेंग को हराया और मुख्य वर्ग के पहले दौर में उन्हें बाई मिली।

उन्होंने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया की एशलिन डो को हराने के बाद फाइनल में भी ऑस्ट्रेलिया की ही एनेलीस फील्डर को पछाड़कर स्वर्ण पदक जीता। उन्नति ने ग्रुप सी में स्थानीय दावेदार इयान आई लेई को हराकर नॉकआउट में जगह बनाई। उन्होंने इसके बाद मंगोलिया की मारलमा खुरेलचुलुन और ऑस्ट्रेलिया की राइली रामेटा को क्रमश: सेमीफाइनल और फाइनल में हराकर खिताब अपने नाम किया। अरुण ने भी ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया के दिमित्रियोस जियांटसियोस को हराकर अच्छी शुरुआत की। उन्होंने इसके बाद दक्षिण कोरिया के जिमिन लिम को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल में अरुण ने सऊदी अरब के मियामानी अब्दुलराऊ को हराने के बाद फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के कोहसेई तोयोशिमा को शिकस्त दी।

सुविचार

उम्मीदों से बंधा, एक जिद्दी परिंदा है इंसान, जो घायल भी उम्मीदों से है, और ज़िन्दा भी उम्मीदों पर हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कार्य-संस्कृति में लचीलापन

दुनिया के कई देशों में कार्य-संस्कृति में तेजी से बदलाव आ रहे हैं। भारत भी इससे अलग नहीं है। कुछ दशक पहले तक जहां कार्यस्थल के लिए ऐसे वातावरण को उपयुक्त समझा जाता था, जहां सख्त नियम हों और उन्हें कड़ाई से लागू किया जाए। वहीं, अब कार्य-संस्कृति में लचीलेपन का समावेश किया जा रहा है, जिसके परिणाम बहुत उत्साहजनक आ रहे हैं। अब 'रिमोट वर्किंग' का चलन बढ़ रहा है। कहीं भी बैठकर काम करने की यह व्यवस्था लचीली तो है ही, आकर्षक भी है। खासकर युवाओं द्वारा इतनी पसंद की जा रही है कि वे इसे वेतन से ज्यादा प्राथमिकता दे रहे हैं। इससे कर्मचारियों को भी फायदा होता है, क्योंकि उन्हें आवागमन पर ऊर्जा व धन खर्च नहीं करना पड़ता, वहीं कंपनियों को भी फायदा होता है, क्योंकि उन्हें कम संसाधन लगाने पड़ते हैं। कार्य-संस्कृति में ऐसे बदलाव लाने को लेकर पश्चिमी देशों की कंपनियां तेजी दिखाती हैं। यूरोप के विभिन्न देश, जहां निर्बाध आवागमन होता है, में कई लोग कामकाज के सिलसिले में रोजाना एक देश से दूसरे देश आते-जाते हैं। इससे एक कदम आगे बढ़कर उन्होंने 'रिमोट वर्किंग' जैसी व्यवस्था पेश की। इसके तहत कर्मचारी मनचाही जगह बैठकर काम करने को स्वतंत्र होते हैं। बस, वे अपना सर्वश्रेष्ठ दें। फिर चाहे वे घर के बगीचे में बैठें, किसी पहाड़ की चोटी पर या दफ्तर की कुर्सी पर। रिमोट वर्किंग की वजह से कंपनियों को प्रतिभावान कर्मचारी पाने और उन्हें वहां बनाए रखने में मदद मिल रही है। प्राय: ऐसे कर्मचारी परंपरागत माहौल के साथ खुद को समायोजित नहीं कर पाते। ऐसे में रिमोट वर्किंग उन्हें काफी आजादी देती है।

कंपनियों को 'द जॉब सर्च प्रोसेस: ए लुक फ्रॉम द इनसाइड आउट' शीर्षक वाले एक सर्वेक्षण की ओर जरूर ध्यान देना चाहिए। यह कहता है कि दो-तिहाई लोगों ने मिलीजुली व्यवस्था या रिमोट वर्किंग को प्राथमिकता दी है। यही नहीं, इनमें से 71 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने यह स्वीकार किया कि उन्होंने नौकरी ढूंढ़ते समय घर से काम करने की आजादी, काम के घंटों में लचीलापन और जरूरत हो तो ब्रेक लेने की सुविधा को प्राथमिकता दी थी। रोजगार वेबसाइट इनडीड इंडिया का सर्वेक्षण यह भी बताता है कि आज का युवा सिर्फ वेतन को प्राथमिकता नहीं देता, वह लचीलापन भी चाहता है। सर्वेक्षण के इस आंकड़े की ओर ध्यान देना जरूरी है कि '63 प्रतिशत नौकरी चाहने वालों ने मिलीजुली व्यवस्था यानी घर और कार्यालय दोनों जगह से काम करने की सुविधा को प्राथमिकता दी। वहीं, 51 प्रतिशत कंपनियों ने भी अपने संचालन में इस तरह के लचीलेपन की पेशकश की।' भारतीय कंपनियों को इसका और विस्तार करना चाहिए। यह खासतौर से महिलाओं और कस्बाई व ग्रामीण प्रतिभाओं के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। इससे एक ओर जहां महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी, वहीं कस्बों और गांवों में ज्यादा पैसा जाएगा तो लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी। इससे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। चूंकि आज गांवों तक इंटरनेट सुविधा पहुंच गई है। बिजली की आपूर्ति बहुत बेहतर हो गई है। बैंक खाते खुल गए हैं। कुल मिलाकर एक ऐसा तंत्र विकसित हो चुका है, जिसे ऊर्जा दी जाए तो वह बहुत प्रगति कर सकता है। सरकारों को चाहिए कि वे कंपनियों को रिमोट वर्किंग और अन्य लचीली व्यवस्थाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही कस्बाई और ग्रामीण प्रतिभाओं को इनसे जुड़ने के अवसर उपलब्ध कराएं। यह प्रयोग भारत की अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव ला सकता है।

ट्वीटर टॉक

स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा का नारा बुलंद कर पूर्ण स्वराज्य की मांग उठाने वाले स्वतंत्रता सेनानी लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी की जयंती पर उन्हें शत शत नमन। स्वतंत्र राष्ट्र के निर्माण में दिया गया आपका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

-गोविंदसिंह डोटासरा

देश की आजादी को समर्पित उनका जीवन तो क्रांतिकारियों के लिए प्रेरणा था ही उनकी शहादत ने भी ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध एक नए आंदोलन का शंखनाद किया। आज़ाद का संघर्ष व बलिदान देशवासियों को युगों-युगों तक प्रेरित करता रहेगा।

-ओम बिरला

श्रेष्ठ स्वतंत्रता सेनानी एवं समाज सुधारक लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक जी ने आजीवन अखंड भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाते हुए देशवासियों को पूर्ण स्वराज प्राप्ति के लिए प्रेरित किया था। ऐसे आदर्श पुरुष की जयंती पर उन्हें मेरा शत-शत प्रणाम।

-वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

विनम्रता का सबब

एक बार मदर टेरेसा एक बेकर के पास गईं और उससे अनाथालय के बच्चों के लिये कुछ ब्रेड देने के लिये कहा, जिससे वह उन बच्चों का पेट भर सके। लेकिन बेकर ने न केवल ब्रेड देने से इन्कार कर दिया बल्कि उनके चेहरे पर गंदा पानी फेंक दिया। मदर टेरेसा वहीं खड़ी रहीं। उन्होंने रूमाल से अपना चेहरा साफ किया और विनम्र शब्दों में बेकर से कहा, 'यह मेरे लिये था और अब क्या मुझे अपने बच्चों के लिये ब्रेड मिलेगी?' बेकर मदर टेरेसा की दयालुता और धैर्य देखकर प्रभावित हो गया। वह उनकी महानता और प्रेम देखकर अभिभूत हो गया। वह बच्चों के लिये मुफ्त भोजन देने के लिये तैयार हो गया। इस प्रकार अपने आचरण से मदर टेरेसा ने एक अशिष्ट, बीमार मानसिकता वाले बेकर को सच्चा मनुष्य बना दिया।

सामयिक

अभी और कितना जलेगा मणिपुर?

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल 9414255034

मणिपुर देश के पूर्वोत्तर में स्थित एक महत्वपूर्ण राज्य है। जिसकी सीमा पड़ौसी देश म्यांमार से लगती है। पिछले 3 महीनों से मणिपुर राज्य अंदरूनी हिंसा से जूझ रहा है। यहां की आबादी के दो प्रमुख समुदाय मैतई व कुकी जनजाति के मध्य जातीय संघर्ष छिड़ा हुआ है। जिसमें अब तक सरकारी आंकड़ों के अनुसार 160 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है व 450 लोग घायल हो चुके हैं। तीन महीने बीत जाने के बाद भी आपसी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा है। मणिपुर में 2017 से भाजपा के एन बीरेन सिंह मुख्यमंत्री है। लेकिन इस समय एन बीरेन सिंह की सरकार वहां की हिंसा पर नियंत्रण करने पर पूरी तरह से विफल साबित हो रही है। हर दिन हो रही आपसी मारकाट के चलते मणिपुर का जनजीवन पूरी तरह से ठप्प हो गया है।

हाल ही में एक पुरानी घटना का वीडियो सामने आया था। जिसमें कुछ महिलाओं के साथ मैतई समुदाय के लोगों ने बलात्कार कर उनको नंगा घुमाया था। इस घटना के सामने आने के बाद पूरा देश खुद को शर्मसार महसूस कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर स्वतः प्रसंज्ञान लेते हुए केंद्र व राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि मणिपुर में शांति बहाली की दिशा में त्वरित कार्यवाही की जाए। विपक्षी दलों के नेता लंबे समय से मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहे हैं। प्रदेश में चल रही अशांति के चलते मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह कुछ समय पूर्व राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने जा रहे थे तो रास्ते में महिलाओं के समूह ने एकत्रित होकर उनके इस्तीफे को छीनकर फाड़ दिया था। विपक्ष द्वारा उस घटना को सरकार द्वारा प्रायोजित घटना बताई जा रही है। वही उस घटना के बाद मुख्यमंत्री ने कहा था कि वह प्रदेश को आपसी संघर्ष की आग में जलता हुआ छोड़कर अपनी जिम्मेदारी से मुंह नहीं मोडेगें। सुप्रीम कोर्ट के प्रसंज्ञान के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी मणिपुर की घटनाओं की निंदा करते हुए गहरा दुख प्रकट किया है। उन्होंने कहा किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा। मणिपुर की पुलिस भी आपसी जातीय गुटों में बंट चुकी है। पुलिस के जवान पुलिस थानों से आधुनिक हथियार छीनकर एक दूसरे के खिलाफ उपयोग कर रहें हैं। राज्य सरकार शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरी तरह असफल रही है। ऐसे में केंद्र सरकार को त्वरित कार्यवाही करते हुए मणिपुर में शांति बहाली हो इस दिशा में तेजी से काम करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वयं आगे आकर सभी विपक्षी दलों के नेताओं से मणिपुर की स्थिति को लेकर चर्चा कर उनके सुझाव लेने चाहिए। मणिपुर से म्यांमार की 350 किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा लगती है। जिसके ज्यादातर हिस्से में किसी तरह की फेंसिंग नहीं होने के कारण लोगों का बिना किसी डर के आना जाना लगा रहता है। म्यांमार में सेना द्वारा तख्ता पलटने के बाद बड़ी संख्या में वहां से शरणार्थियों ने पलायन कर मणिपुर में घुसपैठ कर ली है। जिससे भी मणिपुर की स्थिति और अधिक खराब हो गयी है। म्यांमार से आने वाले शरणार्थियों का मणिपुर के कुकी लोगों के साथ जुड़ाव होने के चलते मैतई लोगों में भय है कि शरणार्थियों के कारण कुकी लोगों की आबादी बढ़ने से वह बहुसंख्यक बन जाएंगे।

मणिपुर की आबादी करीब 38 लाख है। यहां तीन प्रमुख समुदाय मैतेई, कुकी और नगा है। मैतई ज्यादातर हिंदू हैं। कुकी-नगा ईसाई हैं व एसटी वर्ग में आते हैं। मैतई आबादी करीब 55 प्रतिशत है जो इम्फाल घाटी में रहते हैं। वहीं कुकी-नगा आबादी करीब 45 प्रतिशत है। जो ज्यादातर पहाड़ों में रहते हैं। मैतई समुदाय ने मणिपुर हाईकोर्ट में याचिका लगाकर उन्हें भी जनजाति का दर्जा देने की मांग की थी। उनकी दलील थी कि 1949 में मणिपुर का भारत में विलय होने से पहले उन्हें जनजाति का दर्जा मिला हुआ था। इसके बाद हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से सिफारिश की थी कि मैतेई को अनुसूचित जनजाति में शामिल किया जाए। नगा-कुकी दोनों जनजाति मैतई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में हैं। आदिवासी समूहों को डर है कि यदि मैतई को विशेष दर्जा मिलता है तो उनका पहाड़ी क्षेत्रों पर भी कब्जा हो जाएगा। इनका कहना है कि राज्य की 60 में से 40 विधानसभा सीट पहले से मैतई बहुल इम्फाल घाटी में हैं। ऐसे में मैतई को एसटी का आरक्षण मिलने से उनके अधिकारों का बंटवारा होगा। मणिपुर के 60 में से 40 विधायक मैतई और 20 विधायक नगा-कुकी जनजाति से हैं। अब तक 12 में से दो ही मुख्यमंत्री नगा, कुकी जनजाति से रहे हैं।

मैतई और कुकी कि अलग-अलग संस्कृति और परंपरा है। विवाद के मूल कारण पहाड़ी बनाम घाटी की पहचान का संघर्ष और समान विकास नहीं होना है। मैतई राजनीतिक प्रभुत्व वाला समुदाय है जिनके कारण राज्य का विकास घाटी तक ही सीमित है। सरकारी नौकरियों में भी मैतई समुदाय का प्रभुत्व अधिक है। राज्य के कानून के कारण मैतई समुदाय के लोग पहाड़ों में जमीन नहीं खरीद सकते हैं। जबकि कुकी सहित अन्य जनजाति समूह के लोग राज्य के किसी भी हिस्से में जमीन खरीद सकते हैं। इसी कारण से मैतई लोगों को लगता है कि राज्य के कानून में जनजातियों को उनकी आबादी की तुलना में अधिक लाभ प्रदान किए गए हैं।

मणिपुर में चल रहे आपसी जाति युद्ध को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार को मणिपुर के सभी समुदायों में विश्वास पैदा करना होगा। केंद्र सरकार को वहां के लोगों को यह बताना होगा कि किसी भी जाति, धर्म, समुदाय के लोगों के साथ भेदभाव नहीं होगा। उनके अधिकारों का किसी भी सूरत में हनन नहीं होने दिया जाएगा। केंद्र सरकार के बड़े नेताओं को मणिपुर जाकर शांति बहाली के प्रयास करने चाहिए।

आज मणिपुर में हिंसा की आग इतनी तेज हो गई है कि कोई भी राजनीतिक दल या नेता दिल्ली में बैठकर मणिपुर में शांति बहाल नहीं कर सकता है। अब तो मणिपुर के पड़ोसी राज्यों के मुख्यमंत्री भी मणिपुर में चल रही हिंसा को लेकर चिंता जाहिर करने लगे हैं। उन्हें भी डर है कि यदि मणिपुर में भड़की हिंसा पर शीघ्र ही काबू नहीं पाया गया तो धीरे-धीरे उसका असर पड़ोसी राज्यों के लोगों पर भी पड़ने लगेगा। जिससे वहां भी कानून व्यवस्था की स्थिति व्याप्त हो सकती है। विपक्षी दलों का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो हमेशा शांति व भाईचारे की बातें करते हैं। वह पिछले तीन महीने से मणिपुर को लेकर चुप क्यों है। प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर की हिंसा को रोकने के लिए मणिपुर का दौरा कर वहां के लोगों से बात करनी चाहिए। उन्हें विश्वास देना चाहिए कि केंद्र सरकार वहां के लोगों के अधिकारों में किसी भी तरह की कटौती नहीं होने देगी। गृह मंत्री अमित शाह मई महीने में मणिपुर का दौरा कर विभिन्न समुदायों के लोगों से मिल चुके हैं। लेकिन उनके दौरे का मणिपुर में शांति बहाली के दिशा में कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में प्रधानमंत्री को सामने आकर प्रदेश में शांति बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी तभी मणिपुर में शांति बहाली हो पाएगी।

विशेष

श्रावण और अधिकमास का संयोग

डॉ. रीना रवि मालपानी
मोबाइल : 9039551172

कहते है कि मनुष्ययोनि अत्यंत दुर्लभ है और इस योनि में ईश्वर की कृपा मिल जाए तो जीवन सार्थक हो जाता है। हमारे पुराणों में ईश्वर को भक्तवत्सल ही बताया गया है। वे अपने भक्तों पर कृपा के लिए कुछ दुर्लभ संयोग निर्मित करते है। वर्तमान समय में श्रावण और अधिकमास का ऐसा ही संयोग विद्यमान है। श्रावण मास शिव का प्रिय माह है और अधिकमास जो पहले मल मास के नाम से जाना जाता था उसे तो श्रीहरि विष्णु ने अपना आशीर्वाद देकर पुरषोत्तममास में परिवर्तित कर दिया। श्रावण और अधिकमास संहारकर्ता शिव और सृष्टि के पालनहार नारायण की विशेष कृपा प्रदान करता है। श्रावण मास में शिवप्रिय द्रव्यावली अर्पित करने से भूतभावन, उमापति महादेव मनोवांछित फल प्रदान करते है। सभी देवताओं में शिव अतिशीघ्र प्रसन्न होने वाले देव है। यदि भक्त बिना उद्देश्य भी अनायास ही शिव का पूजन, वंदन और अर्चन करता है तब भी वह मुक्ति के मार्ग की ओर प्रशस्त होता है और शिव उसे कल्याण प्रदान करते है। वहीं पुरषोत्तममास में भी श्रीहरि विष्णु के निमित्त दान, पुण्य और जप करने से प्राप्त फल कई सौ गुना बढ़ जाता है।अधिकमास में पूजापाठ, दान-पुण्य के कई सारे प्रकार हो सकते है। जलदान, अन्नदान, वस्त्रदान, पुस्तकदान, द्रव्यदान, भोग, परिक्रमा, प्रभु का स्नान, माला जप इत्यादि किसी भी मार्ग का चयन कर हम ईश्वर के प्रति अपनी अगाध श्रद्धा एवं भक्ति को प्रबलता प्रदान कर सकते है। चूंकि इस माह में श्रीहरि विष्णु स्वयं विराजमान है तो भक्त अपने यथेष्ट की प्राप्ति शीघ्र एवं सुलभ मार्ग से कर सकता है। श्रावण मास में शिव सत्ता के द्वारा ही सृष्टि संचालित होती है और अधिकमास सृष्टि के पालनहार को प्रसन्न करने का समय है। यदि इस समय इन दोनों की आराधना पूर्ण भक्तिभाव एवं निष्ठा से की जाए तो हमारे लिए जीवन जीना सुलभ हो सकता है। शिव तो ध्यान की उत्कृष्ठ साधना के परिचायक है। वे सदैव अन्तर्मन की प्रसन्नता एवं आनंद को महत्व देते है। कहते है कि शिव के आराध्य श्रीराम है और श्रीराम के आराध्य महादेव है। वर्तमान समय का संयोग दोनों देवों के द्वारा अपने भक्त के मनोरथ को सिद्ध करने का उत्तम काल है।

विष्णु को महादेव का विरोधी तो स्वप्न में भी नहीं सुहाता है वहीं महादेव सदैव राम नाम में रमण करते है। वे दोनों एक दूसरे की भक्ति से अत्यंत प्रसन्न होते है। अधिकमास तो प्रभु ने भक्त प्रहलाद के लिए बनाया था। किस तरीके से सच्ची पुकार पर प्रभु नरसिंह रूप में प्रकट हुए थे। ईश्वरीय आराधना में भगवान हमेशा अपने भक्त की दृढ़ इच्छाशक्ति एवं विश्वास को देखते है। जब भी सृष्टि के पालनहार पर किसी ने अनन्य विश्वास दिखाया है तो प्रभु सारे बंधन छोडकर सबसे पहले उसके लिए उपस्थित हुए है। उन्हीं नारायण की कृपा हम सरल मंत्र जैसे 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय' या 'ॐ नमो नारायणाय' जैसे सरल मंत्रों के जाप से प्राप्त कर सकते है। यदि हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है तो मात्र तुलसी दल को अर्पित कर हम नारायण की कृपा प्राप्त कर सकते है। शिव भी मात्र बेल पत्र से प्रसन्न हो जाते है।

प्रभु सदैव भावों की माला चाहते है। कठिनाई यदि आपके जीवन में हिमालय पर्वत का रूप धारण कर ले तो हमें भी समाधान के लिए कैलाशपति पर पूर्ण विश्वास करना होगा। इसी तरह यदि जीवन में परेशानियाँ इन्द्र की तरह वज्रपात करें तो हमें गोवर्धनधारी मधुसूदन की निष्ठा पर अनन्य विश्वास करना होगा। ईश्वर ने तो प्रेम और भक्ति दोनों का ही मार्ग प्रशस्त किया है। श्रावण मास में विभिन्न शिव स्त्रोत जैसे रुद्राष्टक, शिव तांडव स्तोत्र, शिव पंचाक्षर स्तोत्र, लिंगाष्टकम, शिव महिम्नस्तोत्र इत्यादि के द्वारा त्रिशूलधारी नीलकंठ भगवान शिव की आराधना की जा सकती है। वहीं विष्णु उपासना में विष्णु सहस्त्रनाम, रामरक्षा स्तोत्र, मदुराष्टकम, गोपाल सहस्त्रनाम इत्यादि के द्वारा भी श्रीहरि की सहज ही कृपा प्राप्त की जा सकती है। कलयुग केवल नाम स्मरण को महत्व देता है और वर्तमान समय तो हमें ईश्वर की विशेष कृपा प्राप्त करने का संयोग दे रहा है, तो यथोचित पूजा-अर्चना से हम जीवन को भाव सागर से पार दिलाने वाले प्रभु के प्रति समर्पित कर सकते है।

चिंतन

प्रकृति के इशारों को समझिए

संजीव ठाकुर
मोबाइल : 9009 415 415

जल के भयानक रौद्र रूप से देश के कई राज्यों को मुसीबत में डाल दिया है। दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तरांचल, और उत्तराखंड में मानव अपनी जान बचाने को तरस गया है। जन संख्या में बेतहाशा वृद्धि और जमीन में मकानों के बेतरतीब, अनियंत्रित निर्माण ने ऐसी स्थिति पैदा की है। शहरों में ड्रेनेज सिस्टम बरसों पुराने हैं और अब लगभग असफल हो चुके जिसके फल स्वरूप जल का बहाव अनियंत्रित होकर शहरों के लिए विभीषिका बनकर टूट पड़ा है। देश में लगभग बाढ़ के प्रकोप से 200 जीवन काल कवलित हो गए हैं। हमें कब समझ में आएगा और हम कब अपनी इन हरकतों से बाज आएंगे।

ग्लोबल वार्मिंग तथा अप्राकृतिक उष्णता के अनेक प्रभाव अब धरती, नदियां पहाड़, पेड़ एवं मानव जाति पर बेहद चिंताजनक रूप में दिखाई देने वाला है और निसंदेह यह प्राकृतिक संसाधनों का बेरहमी तथा अप्राकृतिक दोहन के फल स्वरूप होने वाला है। जब हम अपने विकास का इतिहास देखते हैं तो ब्रिटिश सत्ता के दौरान हमारे संसाधनों का प्रकृति का अंधाधुंध दोहन होता रहा है। आजादी हमें मिली है यानी कि मानव को परंतु प्रकृति आजादी से अछूती रही है। अमूमन हमारी जरूरत रोटी, कपड़ा, मकान और जल की थी कि हमको उद्योग धंधे का विकास तीव्र गति से करना पड़ा। मशीनें जितनी बड़ी से बड़ी होती गई आदमी उतना ही बौना होता गया। कृषि में नई नई तकनीक ट्रैक्टर, रसायनिक उर्वरक, कीटनाशकों के प्रयोग से भूमि बंजर होकर कराहाने लगी। विकास का सही मायने माननीय शक्तियों के साथ ऊर्जा और उसकी शक्ति तथा सामर्थ्य का सही उपयोग ही होगा। जब से हमने विकास के पथ पर उड़ान भरी है उद्योगों की चिमनी यों को ऊपर उठाया मोबाइल क्रांति का बटन दबाया ई-मेल पर सवार होकर विश्व संदेश को सुना तब से हमारे झरनों का कल कल स्वर और संगीत बंद हो गया, पक्षियों का कलरव बंद हो गया पक्षी अब चीत्कार कर रहे हैं।

नदी नाले सूखकर मृतप्राय हो गए हैं। समुद्र की लहरों की झंकार विलुप्त हो गई है और पानी खारा और खारा हो गया है। अब हमें यह सोचना है कि विकास के नाम पर हमें ग्रीन इंडिया चाहिए या इंटरनेट की सवारी कर डिजिटल इंडिया चाहिए। बच्चों की झोली में इंटरनेट को डालकर डिजिटल जेनरेशन का सपना देखना चाहिए या प्रकृति की गोद में सुगंधित वायु की लहरों में खो जाना चाहिए। झरनों में बैठकर नौका विहार का आनंद लेना चाहिए या कंप्यूटर में बैठकर नेट खोल कर नन्हे मुन्ने की आंखों पर जोर डालकर उन्हें चश्मा वाला बनाना चाहिए। हरा भरा हिंदुस्तान यानी कि ग्रीन इंडिया और डिजिटल इंडिया का सपना नदी के दो कभी ना मिलने वाले किनारे हैं। विकास के नाम पर असीमित उद्योग धंधों की बाढ़ आ गई है। भूमि समाप्त हो रही है साथ ही हमारी वायु विषैली हो गई है। रात में शहरी मकानों में बिजली के झालरों के सामने आकाश में रात्रि के तारों की चमक फीकी पड़ गई है। जंगलों को हम ऐसे साफ करते गए जैसे सड़क पर रोड रोलर चला रहे हैं। नगर बने, महानगर बने, मकान बने किंतु अब घर गायब होते गए, हमें तब सुध आई जब चिड़िया चुग गई खेत, हमें विकास के नाम पर मानव सभ्यता से जुड़ी जमीन पानी, हरियाली, पक्षी जानवर सब चाहिए। केवल अंधाधुन्ध कंक्रीट का विकास या इंटरनेट की रफ्तार नहीं चाहिए। इसके लिए हमें संसाधनों के अंधाधुंध प्रयोग पर अंकुश लगाना होगा। संसाधनों का इस्तेमाल अतिरेक में नहीं होना चाहिए। महात्मा गांधी ने खुद कहा है कि पृथ्वी पर सभी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन है, किंतु मानव की लालच को पूरा करने का कोई साधन नहीं है। हम प्राकृतिक परियोजना तथा परिस्थितिकी की परियोजनाओं का स्वागत करना होगा सम्मान करना होगा। हमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सौर, पवन, बायोगैस, ज्वार तरंग लहरों को ऊर्जा का आधार बनाना होगा।

भारत में परिस्थितियां बड़ी विषम है एक तरफ सोडियम लाइट से नहाती दिल्ली, मुंबई, बेंगलूरु की रंगीन सड़कें हैं, ऊंची ऊंची इमारतें हैं, तेज गति की मेट्रो है, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग का लुफ्त उठाते हुए युवक युवतियां है, दूसरी तरफ पसीने से भीगा हुआ किसान हैं। कैरोसिन की चिमनी में बच्चों को कहानी सुनाती माताएं हैं। यानी कि इतनी डिजिटल विषम बताएं भारत के अलावा विश्व के किसी भी कोने में नहीं है। भारत में विकास के नाम पर डिजिटलाइजेशन करने की आवश्यकता जरूर है पर गांव जंगलों नदियों और प्राकृतिक संसाधनों के निरस्तीकरण और विनाश की कीमत पर नहीं। हमें यह साबित करना होगा कि भारत के विकास की हरित क्रांति के साथ-साथ डिजिटल इंडिया भी विकास की गति को बढ़ा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत कि हरित क्रांति का विकास ही डिजिटल इंडिया का स्वप्न को भी पूरा करेगा। इसके लिए स्वच्छ साफ-सुथरे संसाधन जैसे जल, खनिज, यूरेनियम, थोरियम नहीं होगा तब तक नाभिकीय रिएक्टर की भट्टीयां कैसे चलेंगी। किसी कवि ने कहा है, जो घर बनाओ तो एक पेड़ भी लगा लेना, पंछी सारे उपवन के चहचहा उठेंगे।

विकास का जो भी रास्ता या नक्शा हम तैयार करेंगे निश्चित तौर पर वह मार्ग हरित क्रांति या हरित विकास से होकर गुजरेगा, जिससे हम अपनी 141 करोड़ जनसंख्या को स्वच्छ वातावरण दे पाएंगे और एक नए भारत की कल्पना को साकार कर पाएंगे।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मिसिसिपी में मारे गए अश्वेत किशोर की याद में राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करेंगे बाइडन

वाशिंगटन/एपी

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शिकागो के अश्वेत किशोर एमेट टिल और उसकी मां मैमी टिल-मोबली की याद में इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगह पर राष्ट्रीय स्मारक स्थापित करने का फैसला किया है। व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एमेट पर 1955 में मिसिसिपी में एक श्वेत महिला को देखकर सीटी बजाने के आरोप लगे थे, जिसके बाद उसे अगवा कर प्रताड़ित किया गया था और उसकी हत्या कर दी गई थी।

व्हाइट हाउस के अधिकारी ने बताया कि बाइडन इलिनॉइस और मिसिसिपी में तीन जगहों पर एमेट टिल और मैमी टिल-मोबली की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर मंगलवार को दस्तखत करेंगे। अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर यह जानकारी दी, क्योंकि व्हाइट हाउस ने राष्ट्रपति की योजना की आधिकारिक तौर पर घोषणा नहीं की है।

अधिकारी के मुताबिक, एमेट की याद में राष्ट्रीय स्मारक बनाने संबंधी उद्घोषणा पर दस्तखत के लिए 25 जुलाई की तारीख इसलिए चुनी गई है, क्योंकि अश्वेत किशोर का 1941 में इसी दिन जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्मारक उन जगहों पर स्थापित किए जाएंगे, जहां एमेट ने अपनी जिंदगी के यादगार पल जिए थे, जहां उसके हत्यारों को दोषी ठहराया गया था और जहां उसकी मां ने अपने बेटे को न्याय दिलाने के लिए लंबा आंदोलन किया था। एमेट की हत्या के बाद उसकी मां ने इस बात पर जोर दिया था कि ताबूत को खुला रखा जाए ताकि दुनिया देख सके कि उनके बेटे के साथ किस हद तक क्रूरता का व्यवहार किया गया था।

हेमा मालिनी ने सात हजार बच्चों के लिए की रसोई की शुरुआत

बरसाना, (मथुरा)/वार्ता

सांसद एवं प्रसिद्ध अभिनेत्री हेमा मालिनी ने अक्षय पात्र प्रतिष्ठान की 67वीं रसोई का रविवार को यहां उद्घाटन किया जिसके माध्यम से क्षेत्र के 96 विद्यालयों में 7500 से ज्यादा बच्चों को दिन का पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मथुरा से लोकसभा सांसद ने बरसाना के आजनोख में इस मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि अक्षय पात्र भारत में 67 से ज्यादा रसोई का संचालन कर रहा है। उन्होंने अक्षय पात्र को महाभारत काल की द्रोपदी की कथा से जोड़ते हुए कहा कि भगवान कृष्ण ने जिस तरह द्रोपदी के अक्षय पात्र में सबके लिए भोजन उपलब्ध कराया था उसी अवधारणा पर श्रीकृष्ण और राधा रानी की लीला भूमि में इस अक्षय पात्र से हज़ारों बच्चों को हर दिन भोजन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि अच्छा भोजन और पौष्टिक भोजन बच्चों को उपलब्ध हो, अक्षय पात्र यह सुनिश्चित करता है और इसी सोच के साथ अक्षय पात्र मथुरा जिले 2100 स्कूलों में भोजन उपलब्ध करा रहा है। अक्षय पात्र फाउंडेशन के वॉइस चेयरमैन चंचलापति दास ने कहा कि इस रसोई के माध्यम से आसपास के 48 गांव के साढ़े सात हज़ार बच्चों को भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

उनका कहना था यह रसोई पूरी तरह से महिलाओं द्वारा संचालित की जा रही सामूहिक रसोई है। महिलाओं को इसका संचालन देने की अवधारणा बताते हुए उन्होंने कहा कि जिस तरह एक मां प्यार से अपने बच्चों के लिए भोजन बनाती हैं उसी प्रेम भाव से इस रसोई में काम करने वाली महिलाओं का स्नेह सभी बच्चों को हर दिन मिले। स्थानीय संचालक अनंत वीर्यदास ने कहा की रसोई में स्थानीय जैविक सब्जियों का इस्तेमाल किया जाएगा।

पुरस्कार

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण, युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर रविवार को नई दिल्ली में आईआईएमसी में क्षेत्रीय सामुदायिक रेडियो सम्मेलन (उत्तर) के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय सामुदायिक रेडियो पुरस्कार प्रदान करते हुए।

मोदी देश के विकास के लिए जिस तरह काम कर रहे हैं, वह शोध का विषय बनेगा: साहा

अगरतला/भाषा

त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस तरह से देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं, वह भविष्य में शोधकर्ताओं के लिए एक विषय रहेगा।

साहा ने यहां राज्य अभियंता संघ के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान पूर्वोत्तर में बड़े पैमाने पर विकास हुआ है, चाहे वह इंटरनेट 'कनेक्टिविटी' में सुधार हो या विमानन संबंधी बुनियादी ढांचे का विस्तार हो।

उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी देश और इसके लोगों के कल्याण के लिए चुपचाप काम कर रहे हैं। जिस तरह से वह देश के विकास के लिए काम कर रहे हैं, वह भविष्य में शोधकर्ताओं के लिए एक विषय होगा। मोदी से पहले के दौर और मोदी के बाद के दौर में हुए विकास कार्य पीएचडी के लिए एक विषय होगा।''

साहा ने बुनियादी ढांचे के विकास में मदद के लिए राज्य के अभियंताओं की भी सराहना की और कहा कि उनकी सरकार रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठाएगी।

उन्होंने कहा, ''अभियंता विकास में भागीदार हैं। एक दशक के बाद सरकारी विभागों में अभियंताओं को पदोन्नति दी गई है, जिससे कई पद रिक्त हो गये हैं। सरकार रिक्त पदों को भरने के लिए कदम उठायेगी।''

विरोध

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) महिला मोर्चा के सदस्यों ने मणिपुर में जारी जातीय हिंसा के खिलाफ रविवार को पटना में विरोध मार्च निकाला।

ब्रिक्स देश मूल्यों तथा संस्कृति के आधार पर गहराई से जुड़े हैं : मीनाक्षी लेखी

जोहानिसबर्ग/भाषा

संस्कृति मंत्री मीनाक्षी लेखी ने कहा कि ब्रिक्स समूह में संस्कृति एक अहम कारक है और इसमें शामिल सभी पांचों देश मूल्यों के आधार पर मजबूती से जुड़े हुए हैं।

विदेश एवं संस्कृति राज्यमंत्री लेखी ने अगले माह यहां होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले मपुमालंगा प्रांत में ब्रिक्स देशों के संस्कृति मंत्रियों से शुक्रवार को मुलाकात की।

उन्होंने ट्वीट किया, ''दक्षिण अफ्रीका के मपुमालंगा में ब्रिक्स के संस्कृति मंत्रियों की आठवीं बैठक में शामिल होकर प्रसन्नता का अनुभव हुआ। संस्कृति मंत्रियों की 8वीं बैठक के घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए जिससे ब्रिक्स देशों के बीच मजबूत सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा।''

लेखी ने कहा, ''ब्रिक्स देशों के बीच प्राचीन सांस्कृतिक संबंधों पर चर्चा के साथ ही इस बात पर भी बातचीत की गई कि किस प्रकार से भारत जी20 की अध्यक्षता के जरिए संस्कृति को वैश्विक नीति के केन्द्र में रख रहा है।'

शनिवार शाम को भारत के महावाणिज्य दूत के कार्यालय में स्थानीय और प्रवासी भारतीयों की एक बैठक को संबोधित करते हुए लेखी ने उन विचारों को साझा किया जो उनके अपने समकक्षों के साथ बातचीत के वक्त सामने आए थे। मंत्रियों ने महामारी के बाद की दुनिया में आर्थिक पुनरुद्धार और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा देने में सांस्कृतिक कूटनीति के महत्व पर भी चर्चा की।

धरना

नई दिल्ली में रविवार को दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) के सदस्य रविवार को जंतर-मंतर पर मणिपुर में हिंसा पर मौन सत्यगढ़ धरना का आयोजन किया।

'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का संगीत पुराने हिंदी गानों से प्रेरित : प्रीतम

मुंबई/भाषा

संगीतकार प्रीतम ने कहा कि रणवीर सिंह और आलिया भट्ट अभिनीत 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' का संगीत 1999 के दशक की हिंदी फिल्मों के गानों से प्रेरित है। इस पारिवारिक ड्रामा फिल्म का निर्देशन फिल्मकार करण जौहर ने किया है और फिल्म में दिग्गज कलाकार धर्मेंद्र, जया बच्चन और शबाना आजमी अहम किरदारों में हैं। संगीतकार ने कहा कि करण चाहते थे कि फिल्म में ऐसे गाने हों, जो दर्शकों को''90 के दशक के रोमांस'' की याद दिलाएं। प्रीतम ने यहां संवाददाताओं को बताया, 'वह (करण) लंबे-लंबे गाने चाहते थे... इसलिए गानों की संरचना बदली गई। हर गाने में दो 'अंतरा' हैं और वह लगभग पांच से छह मिनट के हैं।' उन्होंने बताया कि अगर आप पूरी फिल्म देखेंगे तो पाएंगे कि यह पुरानी यादों, भावनाओं से भरी एक फिल्म है और हर कोई पुराने गाने गा रहा है। उन्होंने कहा, 'हमने उसी पृष्ठभूमि का इस्तेमाल किया है और साउंडस्केप ऐसा ही है।' संगीतकार प्रीतम शुक्रवार शाम 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के एक प्रचार कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उनके साथ रणवीर और आलिया भी मौजूद थे। धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' देशभर के सिनेमाघरों में 28 जुलाई को दस्तक देगी।

'मणिपुर फाइल्स' नामक फिल्म बनायी जानी चाहिए

मुंबई/भाषा

मणिपुर में जातीय हिंसा को लेकर केंद्र और राज्य की भाजपा सरकारों की आलोचना करते हुए शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि 'मणिपुर फाइल्स' नामक एक फिल्म बनायी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह पर निशाना साधते हुए शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा गया है कि इस पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा एवं उत्पीड़न कश्मीर से भी बदतर है। चार मई को शूट किया गया एक वीडियो बुधवार को सामने आया है जिसमें मणिपुर में दो महिलाओं को कुछ लोग निर्वस्त्र कर परेड करवाते हुए नजर आ रहे हैं। इस घटना की देशभर में आलोचना हो रही है। शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यदि उच्चतम न्यायालय ने इस घटना का संज्ञान नहीं लिया होता तो प्रधानमंत्री इस मुद्दे के बारे में कुछ नहीं बोलते।

मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा था कि मणिपुर की घटना से 140 करोड़ भारतीय शर्मसार हुए हैं। उन्होंने कहा कि कानून पूरी ताकत के साथ काम करेगा तथा गुनहगार बख्शे नहीं जायेंगे। सामना में कहा गया है कि हाल में 'ताशकंद फाइल्स', 'द केरल स्टोरी' और 'द कश्मीर फाइल्स' जैसी फिल्में बनी हैं। उसमें कहा गया है, '' उन्हीं लोगों को अब मणिपुर की हिंसा पर 'मणिपुर फाइल्स' नामक फिल्म भी बनानी चाहिए।'' शिवसेना (यूबीटी) ने कहा कि यदि राज्य में गैर भाजपा सरकार होती तो उसे अब तक बर्खास्त भी कर दिया गया होता।

उसने आरोप लगाया कि मणिपुर प्रधानमंत्री के लिए राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नहीं है , यही कारण है कि मणिपुर की स्थिति को नजरअंदाज किया जा रहा है। पार्टी ने कहा कि मणिपुर में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 60000 कर्मी तैनात हैं , फिर भी हिंसा कम नहीं हो रही है। संपादकीय में कहा गया है, '' इसका मतलब है कि स्थिति प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के नियंत्रण के बाहर चली गयी है।''

फिल्म शोले से नफरत थी : कमल हसन

मुंबई/वार्ता

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार कमल हसन का कहना है कि उन्हें ब्लॉकबस्टर फिल्म शोले से नफरत थी। कमल हसन फिल्म कल्कि 2098 एडी के लॉन्च पर 'सैन डिएगो कॉमिक कॉन इवेंट' में पहुंचे थे। इस दौरान अमिताभ ने इस इवेंट को वर्चुअली अटेंड किया था।

इवेंट में बातचीत करते हुए कमल हसन ने कहा,जिन लोगों के लिए शोले याद है, बता दूं कि मैं उस फिल्म में असिस्टेंट डायरेक्टर था। जब मैंने शोले देखी तो उस रात मैं सो नहीं सका। मुझे फिल्म से बहुत नफरत थी। इतना ही नहीं मुझे फिल्म निर्देशक रमेश सिप्पी से और भी ज्यादा नफरत थी। मैंने यह बात उन्हें भी बताई कि जब मैंने फिल्म

देखी तो मेरा यही रिएक्शन था। मैं उस रात सो नहीं सका, यह उस तरह की फिल्म थी। अमित जी ने ऐसी कई फिल्में की हैं। उन्हें मेरी फिल्मों के बारे में अच्छी बातें कहते हुए सुनना कुछ ऐसा है, जिसके बारे में मैं सोच भी नहीं सकता था। आखिरकार मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिला है, जिनकी फिल्म में मैंने असिस्ट किया था।

कमल हसन ने कहा, हमारे लिए वो एनर्जी बहुत खास है, जो ऑडियंस को सिनेमा तक लाती है। हम फिल्में बनाते है और ऑडियंस एक्टर को स्टार बनाती है। ऑडियंस के साथ बैठना और प्रभास-अमिताभ बच्चन जैसे एक्टर को अपने सामने देखना गर्व की बात है।

इस बीच अमिताभ ने कमल हसन को रोकते हुए कहा 'यह सब मत कहोकमल। तुम हम सभी से बहुत बड़े हो। इस तरह तारीफ करने की जरूरत नहीं है। तुमने जिस तरह का काम किया है, उसे हासिल करना बहुत मुश्किल है। आपकी हर एक फिल्म में मेहनत और परफॉर्मेंस साफ-साफ दिखती है। आपके साथ एक ही फिल्म में होना हमारे लिए गर्व की बात है।'

फिर चर्चाओं में आया तारक मेहता का उल्टा चश्मा, मिला दिशा वकानी की वापसी का संकेत!

मुंबई/एजेन्सी

टीवी के सबसे पसंदीदा और लंबे चलने वाले शोज में से एक तारक मेहता का उल्टा चश्मा पिछले कुछ समय से गलत कारणों से सुर्खियों में है। कई पुराने कलाकारों के शो छोड़ने के बाद और उनके द्वारा निर्माताओं पर लगाए गए आरोपों के चलते इस शो ने अपनी लोकप्रियता में बड़ी गिरावट देखी है। सितारों द्वारा लगाए गए आरोपों से दर्शकों का इसमें इंट्रेस्ट कम हो गया है। शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी पर कई एक्टर्स ने सेक्सुअल और मेंटल हैरेसमेंट के आरोप भी लगाए हैं। अब यह शो फिर से चर्चाओं में आ गया है इसका कारण है निर्माताओं द्वारा शो में दयाबेन के लौटने का संकेत देना। शो में दयाबेन के भाई सुंदर इन दिनों सबको यह खबर दे रहे हैं कि दयाबेन इस साल नवरात्रि और दिवाली पर वापस मुंबई लौट रही हैं। इस घोषणा के बाद से प्रशंसक इस शो की चर्चा करने लगे हैं। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि दयाबेन का रोल करने के लिए एक्ट्रेस दिशा वकानी ही शो में वापस आती हैं या फिर मेकर्स इस रोल में किसी नई एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस करेंगे। लेटेस्ट एपिसोड में दया के भाई सुंदर ने उनके कमबैक की हिंट दी है।

शो के लेटेस्ट एपिसोड में जेठालाल ने दया के छोटे भाई सुंदर से पूछा कि वो अहमदाबाद से घर (गोकुलधाम सोसायटी) कब लौट रही हैं। इस पर सुंदर ने सबको बताया कि दयाबेन इस साल नवरात्रि या दिवाली पर लौटेंगी। इस अनाउंसमेंट के बाद शो के फैंस सोशल मीडिया पर काफी एक्साइटेड नजर आए। फैंस की मांग है कि मेकर्स शो में दयाबेन के रोल में एक्ट्रेस दिशा वकानी को ही लेकर आएं। वहीं कुछ फैंस का कहना है कि अगर दयाबेन के किरदार में किसी नई एक्ट्रेस को इंट्रोड्यूस किया जाएगा तो वो यह शो देखना छोड़ देंगे। दयाबेन ने 2017 में इस शो से ब्रेक लिया था जिसके बाद वो कभी वापस नहीं आईं।

दिशा वकानी इस शो में शुरुआत से ही दयाबेन का किरदार निभा रही थीं। 2017 में वो मैटरनिटी ब्रेक पर गई और फिर कभी वापस नहीं आईं। फैंस और शो के मेकर्स पिछले 6 साल से उनके कमबैक के इंतजार में हैं। इससे पहले एक इंटरव्यू में शो के प्रोड्यूसर असित मोदी ने कहा था कि वो दिशा के शो पर लौटने का का कई साल से इंतजार कर रहे हैं। अब उन्होंने दयाबेन के किरदार के लिए नई एक्ट्रेस को खोजना शुरू कर दिया है। उनकी जगह किसी नई एक्ट्रेस को कास्ट करना आसान नहीं होगा पर मैं कोशिश कर रहा हूं।'

राहा को अभिनेत्री नहीं वरन् साइंटिस्ट बनाना चाहती हैं आलिया भट्ट

मुंबई/एजेन्सी

आलिया भट्ट पिछले साल एक्टर रणबीर कपूर के साथ विवाह बंधन में बंध गई थीं। वे तब से प्रोफेशनल लाइफ के बजाय परिवार पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। मीडिया से कई दफा रूबरू होते हुए आलिया ने कहा है कि शादी के बाद उनके ऊपर कई जिम्मेदारियां बढ़ गई हैं। वह अपनी बेटी राहा की परवरिश में कोई कोताही नहीं बरतना चाहतीं। आम तौर पर माना जाता है कि एक्टर अपने बच्चों को एक्टिंग की दुनिया में ही लाना चाहते हैं, लेकिन आलिया के मामले में ऐसा नहीं है। आलिया ने राहा के प्रोफेशन को लेकर अपनी इच्छा जाहिर की है। हाल ही एक इवेंट का हिस्सा बनीं आलिया ने कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान उन्होंने बेटी राहा के करिअर को लेकर भी फैंस की जिज्ञासा को शांत किया। आलिया ने कहा कि जब भी मैं अपनी बेटी की ओर देखती हूं तो लगता है वह तो साइंटिस्ट (वैज्ञानिक) ही बनेगी। आलिया को कुछ लोग इस बात के कारण सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे हैं। यूजर्स का कहना है कि राहा अभी एक साल की भी नहीं हुई और आलिया ने उसका करिअर डिसाइड कर दिया। कुछ ने कहा कि यदि आज भी पैरेंट्स ही बच्चों का करिअर तय कर रहे हैं तो '3 इडियट्स' जैसी फिल्म का क्या फायदा।

उल्लेखनीय है कि आलिया ने 14 अप्रैल 2022 को रणबीर के साथ सात फेरे लिए थे। करीब 7 महीने बाद 6 नवंबर को उनके घर किलकारियां गूंजी। वैसे अभी तक आलिया-रणबीर ने फैंस को राहा का चेहरा नहीं दिखाया है। आलिया इन दिनों जोर-शोर से अपनी अपकमिंग फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसमें आलिया एक बार फिर रणवीर सिंह के साथ दिखाई देने वाली हैं। दोनों ने इससे पहले गली बॉय मूवी में साथ काम किया था।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

श्री राम व श्रीकृष्ण आदर्श पुरुष थे,जिन्होंने प्रसन्नता व धैर्यता पूर्वक जीवन जिया। दोनों आदर्श पुरुषों का जीवन सरलता व सहजता पूर्ण था। राम ने पिताश्री की आज्ञा पालन करने हेतु राजमहल का त्याग कर चौदह वर्षों के दीर्घ काल के लिए वनवास स्वीकार करते हुए एक आदर्शमय जीवन जिया। श्रीकृष्ण अर्जुन के मित्र भी रहें तो धर्मयुद्ध में सच्चे सारथी भी रहें व सत्य की राह पर चलने वाले मित्र को विजयी बनाया। मित्र की तरह उनके मन में अर्जुन के प्रति प्रेम व स्नेह था तो सच्चे सारथी के रुप में गीता का उपदेश भी दिया।

भारतीय अभिवादन को वरीयता दें : डॉ. दिलीप धींग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शसुन जैन महिला महाविद्यालय के जैनविद्या विभाग में शोध-प्रमुख साहित्यकार डॉ. दिलीप धींग ने कहा कि विश्व के जहां कहीं जैन रहते हैं, वहाँ जय जिनेन्द्र से अभिवादन करते हैं। इस भारतीय अभिवादन को जैनों का वैश्विक अभिवादन कह सकते हैं।

श्री जैन श्रद्धा युवती मंडल, अम्बत्तूर के तत्वावधान में अंबत्तूर जैन स्थानक में शुक्रवार को आयोजित विस्तार व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता उन्होंने कहा कि हमें गुड डे और हाय-बाय की बजाय भारतीय अभिवादन को वरीयता देना चाहिये। इसमें हमारी भाषा, संस्कृति और संस्कारों का गौरव है। डॉ. धींग ने बताया कि कुछ पर्व, उत्सव और कार्यक्रमों में भारत के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने भी जय जिनेन्द्र और मिच्छामि दुक्कडं जैसे शब्द प्रयोग करके भारतीय शिष्टाचार की श्रेष्ठता के प्रति सम्मान प्रदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि जय जिनेन्द्र गुणवाचक अभिवादन है। इसमें किसी व्यक्ति का नाम नहीं है। जिन्होंने अपनी इन्द्रियों को जीत लिया, उनकी जय के माध्यम से शिष्टाचार निभाया जाता है। संस्कृत भाषा के कल्याण मंदिर के तीन और भक्तामर स्तोत्र के चार श्लोकों में जिनेन्द्र शब्द आया है। डॉ. धींग ने कहा कि जय जिनेन्द्र जीत का अभिवादन है। स्वयं भी जीतना, दूसरों को भी जीताना एवं किसी को हराए बगैर जीतना ही जय जिनेन्द्र का रहस्य है। जय जिनेन्द्र अभिवादन में अनेक शुभ संदेश और पावन प्रेरणाएँ हैं। दो शब्दों और पाँच अक्षरों के इस अभिवादन में विनय, वाणी-विवेक, वात्सल्य, एकता और जागरण के अनेक संदेश छुपे हुए हैं।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मंडल की मार्गदर्शक विजया कोटेचा ने कहा कि डॉ. धींग द्वारा सिर्फ जय जिनेन्द्र शब्द पर दो घंटे का व्याख्यान पहली बार सुना है। उपाध्यक्ष तरुणा रांका ने जानकारी दी कि डॉ. धींग की कुछ कविताएँ गुरुकुल के पाठ्यक्रम में पढ़ाई जाती हैं। कोषाध्यक्ष रेखा देसरला और मंत्री निर्मला बोहरा ने डॉ. धींग का सम्मान किया। सहमंत्री अंजू देसरला ने संचालन किया।

उपधान तप का मुहूर्त 24 तीर्थंकर धाम ट्रस्ट मंडल को सौंपते हुए गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभ सूरी।

किलपॉक जैन संघ को काकटूर छरीपालित संघ का मिला मुहुर्त

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट के तत्वावधान एवं गच्छाधिपति आचार्यश्री की निश्रा में किलपॉक संघ से नेल्लौर स्थित 24 तीर्थंकर धाम काकटूर तीर्थ तक छरीपालित संघ का आयोजन किया जाएगा। काकटूर तीर्थ पर उपधान तप के उपलक्ष में इस चतुर्विध संघ के आयोजन का शुभ मुहूर्त गच्छाधिपति आचार्यश्री ने प्रदान किया।

संघ ट्रस्ट के सचिव नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने बताया कि तेरह दिवसीय इस छरीपालित संघ का प्रयाण 7 दिसंबर को किलपॉक संघ से होगा और 19 दिसंबर को काकटूर तीर्थ पहुंचेगा।

काकटूर तीर्थ में 21 दिसंबर से आयोजित होगा उपधान तप

किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ में रविवार को इससे पूर्व प्रवचन के दौरान नेल्लूर स्थित 24 तीर्थंकर धाम ट्रस्ट मंडल के सदस्यों ने ट्रस्ट मंडल के अध्यक्ष शांतिलाल जैन की अगुवाई में आचार्य भगवंत से काकटूर तीर्थ पर उपधान तप के आयोजन के लिए शुभ मुहूर्त प्रदान करने का निवेदन किया। उनके निवेदन को स्वीकार कर आचार्यश्री ने उपधान तप के आयोजन की घोषणा की। आचार्यश्री की निश्रा में वीरवत्सल उपधान तप का मंगल प्रवेश आगामी 21 दिसंबर व मोक्षमाला 8 फरवरी 2024 को होगी। इस दौरान आचार्यश्री ने उपधान तप की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सामूहिक आराधना के कारण सामूहिक पुण्य मिलता है। इस अवसर पर चेन्नई के विभिन्न संघों एवं नेल्लूर संघ के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। किलपॉक श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ ट्रस्ट के सचिव नरेंद्र श्रीश्रीमाल ने उपधान तप के आयोजन की अनुमोदना की।

कृष्णामूर्ति नगर में अष्टयाम संकीर्तन संपन्न भारी संख्या में जुटे श्रद्धालु

चेन्नई। उत्तर चेन्नई के कृष्णमूर्ति नगर स्थित टीवीके स्ट्रीट के बंगाली दुर्गा पूजा पंडाल में उत्तर भारतीय समाज के तत्वावधन में 24 घंटे का अष्टयाम संकीर्तन का आयोजन हुआ। इस आयोजन का संयोजक श्री जयनाथ सुमन एवं सावित्री देवी के देखरेख में हुआ। संकीर्तन का आरंभ शनिवार दोपहर से शुरू होकर अगले दिन रविवार को लगभग 3 बजे समापन हुआ। एमके नगर और कृष्णमूर्ति नगर के फिजा में चौबीसों घंटे तक 'काली दुर्गे राधे श्याम, गौरी शंकर सीता राम', महामंत्र का जाप चलता रहा।

चेन्नई के अलग-अलग इलाकों से संकीर्तन मंडली अपने साज बाज और बंधुओं के साथ पधार कर इस यज्ञ को सफल बनाने में अहम योगदान दिया उत्तर चेन्नई के मिंजुर रेडहिल्स, माधवरम, चूलै, आदि इलाकों से आए अलग मंडली ने फिल्मी गीतों समेत कई धार्मिक गीतों पर आधारित तर्ज़ों पर महामंत्र जाप करते नजर आए।

रक्तदान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के साहुकारपेट के गंगा भवन में मथुरा वैश्य शाखा सभा चेन्नई द्वारा रक्तदान जागरूकता शिविर का आयोजन लायंस ब्लड बैंक और रिसर्च फाउन्डेशन के सहयोग से किया गया। शाखा सभा के अध्यक्ष विजय कुमार गुप्ता के नेतृत्व में सभी सदस्यों ने इसमें भाग लिया।

'वाणी में अमृत भी भरा है और जहर भी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मनुष्य की वाणी में अमृत भी और जहर भी। शनिवार को साहूकार पेट के एसएस जैन भवन के मरूधर केसरी दरबार मे महासाध्वी धर्मप्रभा ने कहा कि मनुष्य को सोच समझकर और विवेक के तराजू पर तोलकर बोलना चाहिए। मनुष्य की जिह्वा दो काम करती है बोलते समय इंसान मर्यादा नहीं रखे तो प्राणों पर संकट आ सकते है। जिह्वा से यश मान सम्मान प्राप्त होते है। मनुष्य मधुर वाणी बोले.तो जगत को वश मे कर सकता है। कड़वे वचन बोलने मनुष्य पाप के बंध और मधुर वचनो से पुण्य का बंध कर सकता है। तलवार के घाव तो भरे.जा सकते है लेकिन मनुष्य के मुख से निकले कड़वे शब्दों के घाव कभी नही भरने वाले। लोहे के कांटे भी शरीर मे चुभ जाए तो कुछ समय तक ही व्यथा पहुंचाते है और कुशल व्यक्ति पुनः विशेष कठिनाई के बाहर निकाल देते है। किन्तु दूर वचनों के कांटे हृदय को इस तरह बींद देते हैं की उनका निकलना कठिन हो जाता है वे जन्म जन्म तक बेर की परंपरा को कायम

रखते हैं साध्वी स्नेहप्रभा ने उत्ताराध्ययन सूत्र का वांचन करते हुए कहा कि मनुष्य के बोलने का लहजा ही उसके व्यक्तित्व का निर्माण करता है इंसान कितना भी सुंदर हो अगर बोलने मे विवेक नही है तो उसकी सुंदरता का कौई काम की नही है। प्रेम के लिए वचन की मधुरता अनिवार्य है। वचन की मधुरता प्रेम का साम्राज्य स्थापित करती है तो वाणी की कड़वाहट शांत वातावरण में भी कड़वाहट घोल देती है। वचन के साम्र्थ्य से अशांत वातावरण को भी शांत किया जा सकता है तो वचन के माध्यम से ही शांत वातावरण भी खौल उठता है। जिह्वा की मधुरता वाणी को आकर्षक बनाती है। ऐसे लोगों की वाणी में ऐसा आकर्षण उत्पन्न होता है कि सभी पर अपना जादू सा असर छोड़ती है। एक ही आवाज में हर व्यक्ति भीतर तक प्रभावित हो जाता है। हर व्यक्ति उसका प्रशंसक, अनुगामी और हितचिंतक बन जाता है। वाणी में ऐसा सामर्थ है कि वह पानी में आग लगा दे। एसएस जैन संघ के अध्यक्ष एम.अजीतराज कोठारी ने बताया कि धर्मसभा में अंजु भलगट, विमला सिंघवी,ममता भलगट आदि बहनों ने ग्यारह ,दस और सात उपवास के साध्वी धर्मप्रभा से प्रत्याख्यान लिए उनका संघ के सज्जनराज सुराणा, हस्तीमल खटोड़, महावीर कोठारी, बादलचन्द कोठारी, जितेंद्र भंडारी, ज्ञानचन्द चौरडिय़ा भरत नाहर, तारेश बेताला आदि ने सम्मान किया।

तेरापंथ महिला मंडल का शपथ ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां के गांधीपार्क स्थित तेरापंथ भवन में रविवार को कोइंबतूर तेरापंथ महिला मंडल की नव मनोनीत अध्यक्ष मंजू सेठिया एवं उनकी नव मनोनीत टीम का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। शपथ ग्रहण समारोह का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र और अमृतार्चना से कनक प्रभा बुच्चा द्वारा किया गया। उसके बाद कन्या मंडल ने अपने मधुर गीत की प्रस्तुति दी। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गिडिया ने नए अध्यक्ष मंजू सेठिया को अध्यक्ष पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण करवाई। तत्पश्चात श्रीमती मंजू सेठिया ने अपनी टीम को आमंत्रित किया और सबको शपथ ग्रहण करवाई। निवर्तमान अध्यक्ष मंजू गिडिया ने सभी नए पदाधिकारियों को कार्यकारिणी सदस्यों को बधाई दी। पुराने सभी पदाधिकारियों ने नए पदाधिकारियों को बेच पहनाए।

ईर्ष्या और निंदा यह रोग का चौघड़िया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम एएमकेएम सेन्टर में विराजित साध्वी श्री चैतन्याश्री जी म.सा. ने शनिवार को अपने प्रवचन में कहां की ईर्ष्या दुख की जननी है। ईर्ष्या समस्त गुणों को अस्त कर देती है। यह किसी का सुख-दुख बरबाद कर देती है। एक बार अकबर के पास हजाम आया, कहा आपके दादाजी की खबर लीजिए मैं मंत्र देता हूं। बीरबल को बुलाया स्वर्ग में जाना है,

श्मशान में चिता जलाई, बीरबल उस पर बैठा उसने चिता के नीचे सुरंग बनाई दो माह बाद बीरबल अकबर के पास आया दाढ़ी बढ़ी हुई थी बीरबल ने कहा जहांपनाह मैं आपके दादाजी से मिलकर आया क्या सुख है स्वर्ग में वाह, बस एक बात की कमी है वहां हजाम नहीं है तो हजाम भेज दो। निंदा ट्रांसपोर्ट का साधन है जिसमें छोटी बात बड़ी सप्लाई होकर जाती है। निंदा जो जिंदा है उसी की होती है, निंदा सुनने वाला अपने कानों को डस्टबिन बना देता है, पर निंदा में बहुत रस आता है भगवान महावीर कहते हैं जी भर के करो खुद की करो। जो स्वयं की निंदा करेगा वह वंदनीय बन जाएगा। निंदा करने वाला निंदनीय बन जाता है।

सुख साधना में है साधन में नहीं : मनिषप्रभ सागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। खरतरगच्छ के गच्छाधिपति आचार्यश्री जिनमणिप्रभ सूरीश्वरजी म. सा. के आज्ञानुवर्ती मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी, गणिवर्य मुनिश्री मनीषप्रभसागरजी, मुनिश्री मतिषप्रभ सागरजी म. सा. कोयम्बटूर जैन श्वेताम्बर खरतरगच्छ संघ के आराधना भवन में चातुर्मासार्थ विराजित हैं। मुनिश्री मुक्तिप्रभसागरजी ने बताया कि सोमवार को पूरे विश्व में खरतरगच्छ दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भावना शुद्ध रहे, वीतराग, संघ, गच्छ अमर रहे। शासन संघ में अनुशासन रहे। कभी भी कदम हम पीछे नहीं हटायेंगे। महावीर के सिपाही रहेंगे।

गणिवर्य मनिषप्रभ सागरजी म. सा. ने प्रवचन में कहा कि सुख साधनों में नहीं है साधना में है। आदमी दुखी है, हर क्षण हर पल जन्म से लेकर मृत्यु तक वह दुखी ही रहता है। आदमी सुख की तलाश करता है। सुख साधनों में नहीं है भौतिक वस्तुओं में नहीं है। सुख साधना में है। धर्म सभा में सबका स्वागत संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया, संचालन सचिव श्याम सुंदर लूनिया, धन्यवाद ज्ञापन प्रदेश युवक परिषद अध्यक्ष दीपक नाहटा ने दिया। रविवार को मुनिश्री मातिशप्रभ सागरजी न. बालक बालिकाओं का शिविर लिया।

प्रभु की भक्ति 'तन्मयता' से करनी चाहिए : मुनि वैभवरत्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां राजेन्द्र भवन में आचार्यश्री जयंतसेनसूरीश्वर के शिष्य मुनिश्री वैभवरत्नविजयजी म. सा. ने परमात्मा नेमिनाथ के जन्मकल्याण समारोह में अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु की भक्ति तीन प्रकार से की जा सकती है। पहली काया से, दूसरी मन से और तीसरी आत्मा से अर्थात तन्मयता से। प्रभु की अभिषेक की धारा हमारे मन में दुखों को नाश करने वाली धारा हो तभी हमारा जीवन सार्थक होगा। अपनी काया द्वारा पूरे मन और आत्मा से प्रभु का अभिषेक किया जाए तो सार्थकता है। हमारी भावनाओं में जो नया बल, नई रोशनी, नया जुनून आता है वही भक्ति है।

भक्त और भगवान यह दोनों का भेद मिटाकर भक्त स्वयं के भीतर में रहे हुए भगवान को अनुभव करें वह भक्ति है।परमात्मा को पाने के लिए भक्त के हृदय में सर्वप्रथम भक्ति की जिज्ञासा होना अति आवश्यक है। परमात्मा जब हमारे में आते हैं तब दीपक की रोशनी से जैसे अंधकार पूर्ण रूप से क्षय हो जाता है वैसे हमारी आत्मा के अज्ञान रूपी अंधकार का मूलभूत रूप से नाश होता ही है। प्रभु नेमिनाथ का जन्म कल्याणक के इस पावन दिन में हमारे मन में भी प्रभु नेमिनाथ जैसी पवित्रता का जन्म होना ही चाहिए।

'सब से आसान भक्ति का स्वरुप परमात्मा नामस्मरण को कहा गया है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्य श्री देवेंद्रसागरसूरिजी मुनि श्री महापद्मसागरजी महाराज साहेब के सान्निध्य में श्री सुमतिवल्लभ नोर्थटाउन जैन संघ के तत्वावधान में परमात्मा के नामस्मरण भक्ति स्वरूप नामोत्कीर्तन का भव्य व अनोखा अनुष्ठान का आयोजन हुआ। आयोजन का समग्र लाभ शा मांगीलाल हजारीमल श्रीश्रीश्रीमाल परिवार ने लिया। अलग अलग राज्य के परिवेश में आये हुए श्रद्धालुओं ने बड़े उल्लास के साथ भगवान का नामकरण किया, आचार्यश्री ने नामस्मरण भक्ति के ऊपर विवेचना करते हुए कहा कि भगवान का नाम और हमारी आत्मा जब एक हो जाती है तभी हम सही मायने में उसे नामस्मरण कह सकते है। श्रवण एवं

किर्तन में व्यक्ति को अपनी स्वतंत्रता नहीं है।किसी न किसी पर उसे निर्भर रहना पड़ता है। उदाहरण आप को श्रवण करने के लिए कहीं जाना पड़ेगा, यह हर बार संभव नहीं होगा की उचित समय पर आप वहाँ पहुँच जाए। कीर्तन सुनने का भी आप को हमेशा अवसर मिलेगा यह भी तय नहीं है। भक्ति को परिपूर्ण करने के लिए बाह्यापरिस्थिति के साथ ही आत्मिक उन्नति भी जरुरी है। इस लिए सब से आसान भक्ति का स्वरुप नामस्मरण को कहा गया है, नामस्मरण भक्ति को बहुत ही

सूक्ष्म भक्ति कहा गया है ,क्यूँ की भगवान नाम लेते हुए व्यक्ति अपनी अंतर्रात्मा से जुड़ जाता है। इसलिए सभी मुनियों और साधुसंतों ने हजारों सालों से नामस्मरण भक्ति का महिमा हमें बताया है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान नाम लेने के लिए कोई बंधन नहीं है, और नहीं कोई सीमा है। नाम तो आमिर और गरीब कोई भी ले सकता है। भगवान ने कोई भेद या अंतर नहीं किया है की आप आमिर हो या गरीब, बस आप को पूरी तन्मयता के साथ भगवान का नाम लेना है। कलियुग में कर्म मार्ग को अपनाना बहुत ही कठिन है और इस सांसारिक जीवन में कई प्रकार के स्वार्थ व्यक्ति से गलत कार्य करवाते है, इसलिए आप इस कर्म मार्ग पर चल नहीं सकते। दूसरा मार्ग है योग, योग साधना भी हर किसी के बस की बात नहीं है। योग के माध्यम से ध्यान की उच्चतम स्थिति को आप प्राप्त कर सकते है। इसके माध्यम से भी आप को भगवान के दर्शन हो सकते है। लेकिन यह भी बहुत कठिन है। तीसरा सब से आसान मार्ग जो इस कलियुग में शास्त्रों में बताया गया है वो है नामस्मरण। भक्ति मार्ग में भगवान का अपने भक्त के ऊपर एक विशिष्ट स्नेह होता है। एक माता जैसे हमारे सारे हट और इच्छाएं पूर्ण करती है उसी प्रकार भगवान भी हमारे रक्षा के सदैव तत्पर रहते है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.